दैनिक पंचांग

सूर्योदय: 05:34 ए एम
सूर्यास्त: 07:01 पी एम
तिथि: नवमी - 06:32 पी एम तक
नक्षत्र: अश्लेशा - 05:08 पी एम तक
योग: वृद्धि - 08:44 पी एम तक
करण: विष्टि - 05:50 ए एम तक
द्वितीय करण: बव - 06:32 पी एम तक
पक्ष: शुक्ल पक्ष
वार: मंगलवार

हिन्दी दैनिक
# झारखण्ड देखो
खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

Digital Edition
www.jharkhanddekho.com • वर्ष 02 • अंक 110 • पृष्ठ 8 • मंगलवार 10 मई 2022 • मूल्य 2 रुपये Email - Jharkhanddekho@gmail.com | epaper - Jharkhanddekho.com

## संक्षिप्त समाचार

### गैंगस्टर विकास दुबे की 67 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क

**नई दिल्ली/एजेंसी।** पुलिस मुठभेड़ में मारे गए गैंगस्टर विकास दुबे की लगभग 67 करोड़ रुपये कीमत की एक दर्जन से अधिक संपत्तियों को सोमवार को गैंगस्टर एक्ट के तहत कुर्क कर दिया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दुबे ने ये संपत्तियां कथित तौर पर अवैध तरीके से अर्जित की थीं।

जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने बताया कि जो संपत्तियां कुर्क की गई हैं, वे विकास दुबे, उसकी पत्नी ऋचा दुबे और परिवार के अन्य सदस्यों व करीबी रिश्तेदारों के नाम पर दर्ज थीं। ये संपत्तियां कानपुर के अलावा कानपुर देहात और लखनऊ में स्थित थीं। शर्मा ने कहा, मैंने कानपुर देहात और लखनऊ के जिलाधिकारियों से इन संपत्तियों के लिए उप-जिलाधिकारी या तहसीलदार स्तर वाले रिसीवर नियुक्त करने के लिए एक लिखित अनुरोध किया है।'

गौरतलब है कि कानपुर जिले के चौबेपुर थाना क्षेत्र के बिकरू गांव में दो- तीन जुलाई 2020 की दरमियानी रात को आठ पुलिसकर्मियों की हत्या कर दी गई थी। यह पुलिस टीम बिकरू निवासी कुख्यात माफिया विकास दुबे को पकडने के लिए उसके घर दबिश देने गई थी। पुलिस का आरोप है कि विकास दुबे और उसके सहयोगियों ने एक पुलिस उपाधीक्षक समेत आठ पुलिसर्किमयों पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर उनकी हत्या कर दी थी। घटना के हफ्तेभर के भीतर ही मध्य प्रदेश पुलिस ने विकास दुबे को उज्जैन में गिरफ्तार कर लिया था। अधिकारियों के मुताबिक, पुलिस जब विकास दुबे को उज्जैन से कानपुर ले आ रही थी, तब उसने भागने की कोशिश की थी और इसी दौरान वह मुठभेड़ में मारा गया था। उस समय उत्तर प्रदेश के अपर पुलिस महानिदेशक (कानून-व्यवस्था) प्रशांत कुमार ने पत्रकारों से कहा था कि बिकरू कांड के मुख्य आरोपी विकास दुबे को पुलिस ने उज्जैन में गिरफ्तार किया था और उसे कानपुर लाया जा रहा था।

## बिज़नेस

| बीएसई सेंसेक्स |
|---|
| 54,470.67–364.91 (0.67%) |
| **निफ्टी** |
| 16,301.85–109.40 (0.67%) |

# श्रीलंका संकट : पीएम राजपक्षे ने दिया इस्तीफा

**कोलंबो/एजेंसी।**

देश में गंभीर आर्थिक संकट के बीच श्रीलंका के प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे ने सोमवार को इस्तीफा दे दिया। श्रीलंका की स्थानीय मीडिया के हवाले से इसका दावा किया गया है। बताया जा रहा है कि विपक्ष की अंतरिम सरकार बनाने की मांग के आगे झुकते हुए राजपक्षे ने यह कदम उठाया है।

इससे पहले प्रधानमंत्री राजपक्षे ने कहा कि वह जनता के लिए 'कोई भी बलिदान' देने को तैयार हैं। उनके इस कथन से इन अटकलों को बल मिल गया था कि राजपक्षे आज इस्तीफा दे देंगे। उनके छोटे भाई और राष्ट्रपति गोतबाया राजपक्षे की आर्थिक संकट से घिरी सरकार पर देश को उबारने के लिए अंतरिम सरकार बनाने का दबाव बढ़ गया है। अपनी ही श्रीलंका पोदुजन पेरामुन (एसएलपीपी) के भीतर इस्तीफा देने के भारी दबाव से जूझ रहे राजपक्षे (76) अब तक, इस्तीफा न देने का दबाव बनाने के लिए अपने समर्थकों को एकजुट कर रहे थे। सूत्रों ने बताया कि उनके छोटे भाई राष्ट्रपति गोतबाया रापजक्षे ने अपनी इच्छा प्रत्यक्ष रूप से जाहिर नहीं की लेकिन वह उनका इस्तीफा चाहते हैं। राष्ट्रपति उनका इस्तीफा इसलिए चाहते हैं कि ताकि वह राष्ट्रीय एकता की सरकार बना सकें। मौजूदा आर्थिक संकट से निपटने तक यह अंतरिम व्यवस्था मौजूद रहेगी।

देश के एक प्रमुख समाचार नेटवर्क 'लंका फर्स्ट' ने राजपक्षे को अपने समर्थकों से यह कहते हुए उद्धत किया है, 'जनता के लिए मैं कोई भी बलिदान देने को तैयार हूं।' इससे संकेत मिलने लगे थे कि वह इस्तीफा देंगे। राजपक्षे ने यह बात प्रधानमंत्री के आधिकारिक आवास 'टेम्पल ट्री' में सोमवार को आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान कही थी। उनके आवास पर एकत्र हुए एसएलपीपी के सदस्यों ने इनसे इस्तीफा न देने को कहा था।

राजनीतिक सूत्रों ने कहा कि पीएम राजपक्षे के छोटे भाई और राष्ट्रपति गोतबाया राजपक्षे के नेतृत्व वाली सरकार पर विपक्ष का दबाव लगातार बढ़ रहा है। सूत्रों ने कहा कि राष्ट्रपति चाहते हैं कि पीएम का इस्तीफा देश में एक राष्ट्रीय सरकार बनाने में मददगार होगा। मौजूदा आर्थिक संकट निपटने तक वह अंतरिम सरकार के पक्ष में हैं। कोलंबो पेज की रिपोर्ट के अनुसार, गोतबाया राजपक्षे की अध्यक्षता में राष्ट्रपति भवन में एक विशेष कैबिनेट बैठक में महिंदा राजपक्षे ने श्रीलंका के प्रधानमंत्री के पद से इस्तीफा देने पर सहमति व्यक्त की है।

उधर, सत्तारूढ़ गठबंधन के असंतुष्ट नेता दयासीरी जयशेखरा ने कहा था कि हो सकता है वह सीधे इस्तीफा न दें। उन्होंने कहा कि पीएम कह सकते हैं कि मौजूदा संकट में उनकी कोई भूमिका नहीं है। ऐसा कर के वह बॉल राष्ट्रपति गोतबाया के पक्ष में डाल सकते हैं कि वे उन्हें बर्खास्त कर दें। मंत्री विमलवीरा दिसानायके ने कहा है कि आर्थिक संकट से निपटने में महिंदा का इस्तीफा बेकार साबित होगा।

प्रभावशाली बौद्ध गुरुओं ने भी अंतरिम सरकार का मार्ग प्रशस्त करने के लिए प्रधानमंत्री और मंत्रिमंडल पर इस्तीफा देने का दबाव बनाया है। जयशेखर ने कहा कि असंतुष्ट समूह का 11 पार्टियों का गठबंधन संकट को खत्म करने के तरीकों पर सोमवार को आगे की बातचीत करेगा। महिंदा राजपक्षे के इस्तीफा देने पर उन्हें अंतरिम सरकार के गठन की उम्मीद है।

### ● पीएम के खिलाफ फूटा आक्रोश

» बीते दिनों भारी दबाव के बावजूद 72 वर्षीय गोतबाया और प्रधानमंत्री महिंदा ने पद छोड़ने से इनकार कर दिया था। राजपक्षे कुनबे के ताकतवर महिंदा राजपक्षे को रविवार को अनुराधापुर में जनता के आक्रोश का सामना करना पड़ा। ईंधन, रसोई गैस और बिजली कटौती समाप्त करने की मांग को लेकर सड़कों पर उतरी जनता ने उनके खिलाफ जमकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी चाहते हैं कि पूरा राजपक्षे परिवार राजनीति छोड़ दे। देश से लूटी गई संपत्ति लौटा दे।

### ● प्रदर्शनकारियों पर पीएम समर्थकों का हमला, 16 घायल

» सोमवार को पीएम राजपक्षे के समर्थकों ने प्रदर्शनकारियों पर हमला बोल दिया। हमले में 16 लोगों के घायल होने की खबर है। हमला पीएम के सरकारी निवास के बाहर किया गया। इस पर राजपक्षे ने अपील की कि लोग संयम बरतें। आर्थिक संकट का आर्थिक समाधान निकालने की जरूरत है, उनके सरकार इसका हल निकालने के लिए वचनबद्ध है।

बेल की शर्त तोड़ने का है आरोप

## नवनीत राणा: नोटिस के बाद बोलीं पूरी जिंदगी जेल में काटने को तैयार

**मुंबई/एजेंसी।**

उद्धव ठाकरे के घर के बाहर हनुमान चालीसा का पाठ करने के बाद विवादों में आईं सांसद नवनीत राणा के खिलाफ एक बार फिर से महाराष्ट्र सरकार अदालत पहुंची है। सरकारी वकील ने अदालत से मांग की है कि जेल से बाहर आने के बाद नवनीत राणा और उनके पति ने बेल की शर्तों का उल्लंघन किया है। इसलिए उन्हें फिर से जेल में भेजा जाना चाहिए। इस पर अदालत ने राणा दंपति को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है और पूछा है कि उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट क्यों नहीं जारी किया जाना चाहिए। इस बीच इस पर नवनीत राणा का भी रिएक्शन आया है। दिल्ली पहुंचीं नवनीत राणा ने कहा कि हम दिल्ली से वापस जाकर कोर्ट के नोटिस का जवाब देंगे।

इसके साथ ही उन्होंने आक्रामक तेवर जारी रखे हैं। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि यदि राम के नाम पर पूरी जिंदगी ही जेल में काटनी पड़ जाए तो मैं उसके लिए भी तैयार रहूंगी। बेल की शर्तों का उल्लंघन करने के आरोपों पर नवनीत राणा ने कहा, 'मीडिया से जेल में हुए दुर्व्यवहार पर हमने बात की है। हमने जमानत की शर्तों का कोई उल्लंघन नहीं किया है। हमारे ऊपर जो आरोप लगे हैं, उन्हें लेकर तो हमने कोई बात ही नहीं की है। कोर्ट की ओर से फिर नोटिस मिलने पर नवनीत राणा ने कहा कि भगवान का नाम लेना कभी गलत नहीं हो सकता है। यदि कोई मुझे भगवान राम का नाम लेने पर पूरी जिंदगी के लिए जेल में डाले तो वह भी हम झेलने के लिए तैयार हैं।'

केंद्र का बड़ा फैसला

## देशद्रोह कानून पर होगा पुनर्विचार, सुप्रीम कोर्ट से की यह अपील

**नयी दिल्ली/एजेंसी।**

केंद्र सरकार ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में बड़ी बात कही है। केंद्र ने कहा कि उसने देशद्रोह कानून के प्रावधानों पर पुनर्विचार करने और जांच का फैसला लिया है। सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से अपील की है कि इस मामले पर सुनवाई तब तक न की जाए जब तक सरकार जांच न कर ले। सुप्रीम कोर्ट में दाखिल किए गए हलफनामे में केंद्र सरकार ने कहा है कि देशद्रोह पर भारतीय दंड संहिता की धारा 124ए की वैधता की जांच और पुनर्विचार किया जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट में दाखिल हलफनामे में सरकार ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण में जब कि देश की आजादी के 75 साल पूरे हो रहे हैं, गुलामी के समय में बने देशद्रोह के कानून पर पुनर्विचार करने की जरूरत है। इसमें कहा गया है, 'दे-शद्रोह कानून को लेकर जताई जाने वाली आपत्ति का भारत सरकार को ज्ञान है। कई बार मानवाधिकार को लेकर भी सवाल उठाए चजाते हैं। हालांकि इसका उद्देश्य देश की संप्रभुता और अखंडता को अक्षुण्य रखना होना चाहिए।' एफिडेविट में आगे कहा गया, अब समय आ गया है कि आईपीसी की धारा 124अ के प्रावधानों पर पुनर्विचार किया जाए। केंद्र ने कहा कि जांच की प्रक्रिया के दौरान सुप्रीम कोर्ट से अपील है कि वह इस कानून की वैधता की जांच करने में समय जाया न करे। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट में कई याचिकाएं दाखिल करके औपनिवेशिक काल में बनाए गए कानूनों की जांच करने की बात कही गई थी।

मौसम विभाग ने लोगों को सुरक्षित जगह जाने को कहा

# 'साइक्लोन असानी' पश्चिम बंगाल-ओडिशा में भारी बारिश का अलर्ट

**कोलकाता/एजेंसी।**

बंगाल की खाड़ी में प्रवेश करने के बाद साइक्लोन असानी ने अपना असर दिखाना शुरू कर दिया है। भारतीय मौसम विभाग ने ओडिशा, बंगाल और आंध्र प्रदेश में तूफानी बारिश का अलर्ट जारी किया है। क्टऊने लोगों से कहा है कि वे किसी सुरक्षित जगह शरण लें। मौसम विभाग के मुताबिक, बंगाल के हावड़ा, कोलकाता, हुगली और पश्चिमी मेदनीपुर जिलों में तूफान और हल्की बारिश हो सकती है।

क्टऊ भुवनेश्वर के वरिष्ठ वैज्ञानिक उमाशंकर दास ने बताया- कल ओड़िशा के तटीय इलाकों में भारी बारिश के आसार हैं। हालांकि, अगले 48 घंटों में तूफान के कमजोर होने की भी संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक साइक्लोन असानी का असर सबसे अधिक अंडमान निकोबार से लगभग 610 किमी उत्तर-पश्चिम में, पोर्ट ब्लेयर से 500 किमी पश्चिम में, विशाखापत्तनम से 810 किमी दक्षिण-पूर्व और पुरी से 880 किमी दक्षिण-दक्षिण पूर्व में देखने को मिलेगा। मौसम विभाग चंडीगढ़ के डायरेक्टर मनमोहन सिंह ने कहा कि असानी तूफान का असर नार्थ इंडिया में नहीं है।

### ● ओडिशा के 4 पोर्ट डेंजर जोन घोषित

ओडिशा रिलीफ कमिश्नर पीके जेना ने बताया कि राज्य के 4 पोर्ट पारादीप, गोपालपुर, धमरा और पुरी को डेंजर जोन घोषित किया गया है। इन इलाकों में ठऊफ्ऋ और डऊफ्ऋ की तैनाती की गई है। हमने समुंद्री इलाकों में सभी मछुआरों के लिए चेतावनी जारी कर दी है।

### ● ममाता बनर्जी ने 3 दिन तक सभी कार्यक्रम रद्द किए

पश्चिम बंगाल में तूफान के खतरे को देखते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अपने सभी कार्यक्रम रद्द कर दिए हैं। 9, 10 और 11 मई को ममता बनर्जी नवान्न (सचिवालय) से साइक्लोन असानी की मॉनिटरिंग करेंगी। रविवार को मौसम केंद्र कोलकाता ने अंदेशा जताया था कि अंत समय में तूफान का डायरेक्शन बदल सकता है और यह बंगाल के समुद्री तटों से टकरा सकता है।

### ● झारखंड-बिहार समेत इन राज्यों पर होगा असर

चक्रवाती तूफान असानी का असर ओडिशा के अलावा बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, असम, आंध्र प्रदेश समेत कई राज्यों में देखने को मिल सकता है। मौसम विभाग ने इन राज्यों के लिए भी बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है।उड़ीसा के तट पर आए चक्रवाती तूफान असानी का असर कांकेर जिले में भी देखने को मिल रहा है। इससे बारिश की संभावना नहीं है, लेकिन तेज हवाएं चलने से तापमान में गिरावट आई है।


## आवश्यकता

झारखण्ड की उपराजधानी दुमका से संचालित 'झारखण्ड देखो' डिजिटल ईपेपर के लिए झारखण्ड के सभी जिलों से संवाददाता एवं विज्ञापन प्रतिनिधि की आवश्यकता है।

संपर्क करें -9955599136

JOB
Immediately Required
Franchise / Mitr Sewak
for working on following services on commission basis:-
- Amazon Easy store
- Mitr Digi Portal ( AEPS, , DMT, ATM, RECHARGE, BILL PAYMENTS etc.)
- Online Bima for all major Bima Companies
- Online E-Store for E-Commerce
- Mutual fund, Tax filling, NPS, Share, Demat / online Trading
Othere services

Registration Charges 2000+GST
Income opportunity of
Rs. 40,000-60,000 with les investment

Mitr Sewa Pvt. Ltd.
Vikas Sabke Dwaar
Immediately contact
Shri : Manoj Kumar
Post : Area Manager, Mitr Sewa Foundations
Mob : 9151005283, 9006469840
Email : manoj.kumar@mitrsewa.in

## संक्षिप्त समाचार

### याद किए गए महाराणा प्रताप , लोगों ने किया नमन

**दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि।** समाजसेवी ठाकुर श्याम सुंदर सिंह के नेतृत्व में पगला बाबा मंदिर परिसर में वीर महाराणा प्रताप के 482 वां जयंती समारोह पूर्वक आयोजित किया गया। उक्त अवसर पर मुख्य रूप से गुजरात से चलकर आए दुमका के पूर्व वार्ड पार्षद विनोद दारू , संदीप कुमार जय बमबम, प्रमोद कुमार राऊत, मिथुन सिंह ,पवन सिंह, धनंजय सिंह, राजस्थान से आए लक्ष्मण चौधरी, ऋषभ झा, अनिल पुजहर, रघुवंश चौबे, मोहम्मद इनामुल मिर्जा, रविकांत राऊत,नीलू,भगीरथ, मंटू, सुधीर, उगरमोहन झा,शिवा ,सत्यम चौरसिया आदि उपस्थित थे।

### सज्जन वही जो निरंतर भगवान का नाम जपते हैं

**दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि।** नोनीहाट में चल रहे नौ दिवसीय श्रीराम चरित मानस नवाह परायण महायज्ञ के दूसरे दिन सोमवार को कथावाचक संत स्वामी देवेशाचार्य महाराज ने मंगलाचरण करते हुए कहा कि गोस्वामी तुलसीदास कहते हैं कि देवताओं की वंदना के पश्चात साधु, संत और सज्जनों की वंदना करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सज्जन वही हैं जो नित्य निरंतर भगवान का नाम लेते हैं। हनुमान जी जब लंका में गए तब विभिषण ने उनकी कुटिया में आकर राम-राम कहते हुए उन्हें जगाया था।। तब हनुमान जी समझ गये कि यह सज्जन है। कथावाचक ने कहा कि जो दूसरे कि बढ़ोत्तरी अर्थात प्रसन्नता, विकास को देखकर प्रसन्न होता है वह सज्जन है। संत बताते हैं कि आज समाज में रोना इस बात का है कि आज लोग अपने दुख से उतना दुखी नहीं है जितना की दूसरे के सुख को देखकर दुखी हो जाते हैं। उन्होंने श्रीराम नाम कि वंदना करते हुए कहा कि कलियुग में राम नाम को स्मरण करके ही लोग भव सागर के पार उतरते हैं ।

### हवन के साथ हुआ रामचरितमानस पाठ कथा संपन्न

**दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि।** जामा प्रखंड के बागझोपा बजरंगबली मंदिर प्रांगण में चल रहे नौ दिवसीय रामचरितमानस पाठ कथा सोमवार को हवन के साथ संपन्न हो गया। कथावाचक श्याम सुंदर झा ने एक मई से प्रतिदिन संध्या ग्रामीणों को रामचरितमानस कथा का रसपान कराया। जिसमें आसपास के दर्जनों गांव के पुरुष व महिला ने उपस्थित होकर कथा का आनंद लिया। कथा के अंतिम दिन पंडित संजीव मिश्रा व सुबोध मिश्रा के द्वारा हवन कर कथा का समापन किया गया। इस मौक पर मुख्य यजमान कुमोद लायक, प्रमोद मांझी, सीताराम खिरहर, मंदिल खिरहर, भागीरथ खिरहर, दिनेश मांझी, कैदार राउत, कन्हैया प्रसाद मंडल, बिहारी लायक, ललित यादव, अनंत लायक, निरंजन लायक, अर्जुन लायक समेत कई मौजूद थे।

# झामुमो ने किया पीएम का पुतला दहन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

**दुमका।** झारखंड मुक्ति मोर्चा के द्वारा स्थानीय सिद्धो-कान्हू चौक(पोखरा चौक) से पैदल मार्च करते हुए टीनबाजार चौक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला दहन किया गया। पुतला दहन कार्यक्रम आयोजित करने का मुख्य कारण केंद्र सरकार के द्वारा संवैधानिक संस्था का दुरुपयोग एवं केंद्रीय जाँच एजेंसी का बराबर दुरुपयोग कर जिस राज्य में भाजपा की सरकार नही हैं वहाँ की राज्य सरकार को बदनाम करने की तरह-तरह के हथकंडे अपनाकर राज्य सरकार को अस्थिर करने का कुकृत किए जा रहे हैं। जिसका जिला झारखण्ड मुक्ति मोर्चा दुमका घोर विरोध करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला दहन टीनबाजार चौक में किया गया। पुतला दहन से पहले झामुमो के कार्यकर्ताओं ने पार्टी के केन्द्रीय महासचिव विजय कुमार सिंह की नेतृत्व में सिद्धो-कान्हू चौक से टीनबाजार चौक तक झंडा-बैनर के साथ केंद्र सरकार और भाजपा नेता के विरुद्ध नारेबाजी करते हुए आक्रोश प्रदर्शन किया। इस मौके पर झामुमो के जिला सचिव शिव कुमार बास्की, आलोक सोरेन, अशोक कुमार, रवि यादव, अब्दुस सलाम अंसारी, बासु टुडू, सिराजउद्दीन अंसारी, निशित वरन गोलदार, इंदु चौबे, असीत वरन गोलदार, मनोज कामत, साकेत कुमार गुप्ता, पराक्रम शर्मा, रजनीश कुमार, नशीबा शाहीन, मो. आरिफ, अर्चना सिंह, महबूब सरकार, गीता देवी, अमर यादव, मनोज रजक, रंजीत साह, हेमंत स्वर्णकार, शानू हांसदा, जमील अख्तर, कुनाल थापा, राहुल कुमार उपस्थित थे।

## उपायुक्त ने किया सामग्री कोषांग का निरीक्षण

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

**दुमका।** जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त ने कोर्ट परिसर में स्थित सामग्री कोषांग का निरीक्षण किया। उपायुक्त अधिकारियों के साथ आज सोमवार को सामग्री कोषांग पहुंचे। मतदानकर्मियों के लिए तैयार पैकेट की जानकारी ली। चुनाव कार्य में प्रयोग होनेवाली सामग्री की जानकारी ली। इसकी गुणवत्ता के बारे में पूछताछ की। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि निर्वाचन आयोग की ओर से तय तमाम सामग्री को पैकेट में डालना है। उपायुक्त ने मतपत्र, पेपर की गुणवत्ता, अमिट स्याही, पेपर सील, प्रशिक्षण सामग्री, प्रशिक्षण हस्तपुस्तिका सहित सामग्री की जानकारी ली। विदित हो कि पंचायत चुनाव के प्रथम चरण में 14 मई को मतदान होना है। पहले चरण में रामगढ़, काठिकुंड, शिकारीपाड़ा तथा गोपीकांदर प्रखंड में मतदान होगा। जिसके लिए मतदान दल को रवाना किया जाएगा। इससे पहले सामग्री की पैकेटिंग करने का निर्देश दिया गया। मौके पर जिला पंचायती राज पदाधिकारी सह जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी भी मौजूद थे।

## मतदान दल का पार्टी वाइज ट्रेनिंग संपन्न

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

**दुमका।** त्रिस्तरीय पंचायत (आम) निर्वाचन 2022 के प्रथम चरण हेतु मतदान दल का पार्टी वाइज ट्रेनिंग शास्त्री स्मारक मध्य विद्यालय संपन्न हुआ।यह प्रशिक्षण प्रथम चरण के अंतिम दौर का पार्टी वाइज ट्रेनिंग था।विद्यालय के 10 क्लासरूम में 10-10 की संख्या में पार्टी बनाकर 3 चरणों मे प्रशिक्षण दिया गया।यह प्रशिक्षण शिकारीपाड़ा प्रखंड के लिए सभी चार पद हेतु निर्वाचन के लिए दिया गया।प्रशिक्षण के दौरान मतदान के दौरान दौरान ध्यान रखने वाले विषयों पर विस्तृत रूप से जानकारी मतदान दल को दी गयी।साथ ही पूरे चुनाव प्रक्रिया से संबंधित चेक लिस्ट पोलिंग पार्टी को उपलब्ध कराया गया।साथ ही मत पेटिका में मत पत्र को भरने से संबंधित जानकारी भी मतदान दल को उपलब्ध कराया गया।मास्टर ट्रेनर के द्वारा पीपीटी के के माध्यम से सभी महत्वपूर्ण बिंदुओं को विस्तार से बताया गया ताकि मतदान दल संशय की स्थिति में नहीं रहे एवं मतदान कार्य सफलतापूर्वक संपन्न हो सके।इस दौरान हैंड्स ऑन ट्रेनिंग के माध्यम से मत पेटिका को विधिवत रूप से बंद करने के बारे में भी मतदान दल को बताया गया।

## एमजी कॉलेज में मनाई गई रविन्द्र नाथ ठाकुर की 162 वी जयंती

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

**दुमका।** मयूराक्षी ग्रामीण डिग्री कालेज रानीश्वर के बंग्ला विभाग,राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई 2 एवं 3 तथा एन सी सी के संयुक्त तत्वधान में सोमवार को मयूराक्षी ग्रामीण महाविद्यालय रानीश्वर में महापुरुष रविन्द्र नाथ ठाकुर की 162 वी जयंती प्राचार्य डा .अब्दुल रईस खान कीअध्यक्षता में मनाई गई। जिसमे राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की स्वयंसेविका देविका हाजरा ने रविंद्र संगीत पर नृत्य प्रस्तुत किया तथा एनसीसी केडेट्स राखीकुमारी ने रविंद्रनाथ की जीवनी प्रस्तुत कीइस अवसर पर प्राचार्य डॉअब्दुल रईस खान ने सभी बच्चों को रविंद्र नाथ ठाकुर की जीवनी की परिचर्चा करते उनके विचारों को अपने जीवन में अमल करने को कहा।अवसर पर इकाई 3 की कार्यक्रम पदाधिकारी सह दुमका नोडल पदाधिकारी डॉ .रूपम कुमारी ने कहा कि हमे महापुरुष रविन्द्र नाथ के वचनो का अपने जीवन में अमल करना चाहिए।बंग्ला प्राध्यापक आशीष कुमार मंडल ने गीताजंली कविता की आवृति कर महत्व प्रस्तुत किया। मंच संचालन प्रोफेसर काजल मंडल ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन डा. रूपम कुमारी ने किया।मौके पर एन सी सी केडेट्स रिया राय, ज्योर्तिमय दास, कविता कुमारी, सोमा सहा, सीखा यादव, रिया राय, स्वयंसेवक कृष्णा शर्मा, साइमन हेंब्रम, सौरभ कुमार शर्मा, देविका हाजरा आदि प्राध्यापक डा. हिमांशु कुमार सिंह,डा.संतोष कुमार पत्रलेख, हुमायून कबीर, लेफ्टिनेंट डा. रीना कुमारी, रीवा राउत, ज्यमंगल रॉय आदि उपस्थित थे।इसकी जानकारी मीडिया प्रभारी डॉ रूपम कुमारी ने दी।

## आठ दिन बाद स्पर्श पूजा की हुई शुरुआत

**दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि।** बासुकीनाथ के दरबार में सोमवार को आठ दिन बाद स्पर्श पूजा की शुरुआत हुई। बता दें कि एक मई को गर्भ गृह में उतर आए करंट की वजह से स्पर्श पूजा पर रोक लगाते हुए अरघा के माध्यम से जलाभिषेक की व्यवस्था प्रारंभ की गई थी। जिसे हटाकर सोमवार से पुनः स्पर्श पूजा की शुरुआत कर दी गई। बैशाख मास के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि सह बैशाख माह की चौथी सोमवारी को भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। बासुकीनाथ में इस विशेष तिथि पर भोलेनाथ की पूजा करने के लिए भक्तों की भारी भीड़ जुटी। इस मौके पर अष्टमी तिथि एवं सोमवार के इस अदभुत संयोग के कारण इस विशिष्ट तिथि पर शिव पूजन एवं धार्मिक अनुष्ठान सम्पादित कराने की पुण्यतिथि बन पड़ी। इस मौके पर देर शाम तक करीब 20 हजार से अधिक भक्तों ने अरघा से जलाभिषेक व पूजा अर्चना की। बासुकीनाथ मंदिर के पुरोहित राजेश झा ने बताया कि बैशाख मास के शुक्ल पक्ष अष्टमी तिथि को चौथी सोमवारी के इस शुभ मौके पर बासुकीनाथ मंदिर में दिन भर भक्तों की भारी भीड़ लगी रही। भीषण गर्मी की वजह से अपराह्न दो बजे के बाद भीड़ में थोड़ी कमी नजर आई। इस मौके पर देश के कोने-कोने से आए भक्तों ने अपने पूर्व मनौती के अनुरूप बासुकीनाथ मंदिर गर्भगृह में जलाभिषेक, मंदिर परिसर में नर्मदेश्वर महादेव का रुद्राभिषेक, कालसर्प पूजन, सत्यनारायण कथा, मुंडन कर्म, ध्वजारोहण, गठबंधन पूजा सहित अन्य धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराए। इस अवसर पर भक्तों की उमड़ने वाली भीड़ को देखते हुए मंदिर प्रबंधन और पुलिस प्रशासन के द्वारा सुरक्षा के तगड़े इंतजाम किए गए थे। भक्तों को सुगमतापूर्वक जलार्पण कराने के लिए उन्हें कतारबद्ध तरीके से पूजन कराया गया।

## आठवीं बोर्ड की परीक्षा हेतु बनाएं गए कुल 32 केंद्र

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

**दुमका।** जामा में जैक द्वारा आयोजित आठवीं की बोर्ड परीक्षा मंगलवार 10 मई को निर्धारित की गई है जिसके लिए जामा प्रखंड में अष्टम बोर्ड परीक्षा के लिए सारी तैयारियां पूरी कर ली गई है। उक्त आशय की जानकारी देते हुए प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी लीला कुमारी उपाध्याय ने बताया कि आठवीं बोर्ड की परीक्षा संचालित करने के लिए जामा में कुल 32 केंद्र बनाए गए हैं और आवश्यकतानुसार केंद्रों में वीक्षकों एवं केंद्राधीक्षक की प्रतिनियुक्ति कर दी गई है। परीक्षा के सफल संचालन हेतु जैक के गाइडलाइंस के अनुसार आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए गए हैं । बताया कि सभी केंद्राधीक्षकों को निर्देशित किया गया है की परीक्षा समाप्ति के उपरांत सभी ओएमआर सीट एवं अटेंडेंस शीट को सील बंद करते हुए बीआरसी में बनाये गए बज्र गृह में निर्धारित समय पर जमा करना करना सुनिश्चित करेंगे। परीक्षा केंद्रों में पर्यवेक्षण के लिए सभी सीआरपी को अपने अपने संबंधित कार्यक्षेत्र में पड़ने वाले परीक्षा केंद्र का पर्यवेक्षण एवं सहयोग के लिए लगाया गया है। परीक्षा दो पालियों में ली जाएगी।

To-Let
Second floor
1. Bedroom - 2
2. Study room -1
3. Dinning Hall
4. Kitchen
Address : Kumharpara, Kali Mandir, Dumka.
Rent -Rs. 10000 + Electricity Bill.
Contact number :
7991134302, 8969695666

# प्रत्याशियों को दिया गया चुनाव खर्च की जानकारी

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

**दुमका।** पंचायत चुनाव को लेकर सामान्य प्रेक्षक एवं व्यय प्रेक्षक ने सोमवार को दुमका(सदर) प्रखंड क्षेत्र की विभिन्न पंचायतों के वार्ड सदस्य पद के अभ्यर्थियों के साथ इंडोर स्टेडियम में बैठक कर आदर्श आचार संहिता तथा चुनाव में खर्चे से संबंधित जानकारी दी। इस दौरान नामांकन से लेकर मतदान होने के एक महीने के भीतर हुए विभिन्न मदों में खर्च का लेखा-जोखा पंजी में संधारित करने तथा निर्धारित तिथियों को निर्वाची व्यय पदाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया। वहीं चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद एक माह के अंदर वाउचर के साथ कुल व्यय का लेखा-जोखा भी व्यय प्रेक्षक के समक्ष जमा कराने को कहा गया। उन्हें व्यय की निर्धारित सीमा से भी अवगत कराया गया। उन्होंने चुनाव प्रचार के दौरान मतदाताओं को किसी भी तरह के प्रलोभन देकर प्रभावित करने पर सख्त कार्रवाई करने की बात कही।इस दौरान सभी प्रत्याशियों को आदर्श आचार संहिता का अनुपालन निष्ठा के साथ करने की बात कही। उन्होंने प्रत्याशियों से कहा कि आदर्श आचार संहिता का पालन हर हाल में सुनिश्चित करना होगा। किसी भी संप्रदाय के प्रति किसी तरह का विद्वेष या उनकी भावना को ठेंस नहीं पहुचाना है। किसी भी प्रत्याशी का व्यक्तिगत आलोचना नहीं करना है। चुनाव में पैसा, मुर्गा या दारू देकर मतदाताओं को मतदान के लिए लोभ नहीं देना है। किसी भी धार्मिक भावनाओं को भड़काकर चुनाव प्रचार नहीं करना है। बैनर, पोस्टर किसी भी निजी मकान में बगैर अनुमति के नहीं लगाना है। सरकारी भवनों या सरकारी संस्थानों में बैनर पोस्टर नहीं लगाना है एवं दीवार लेखन नहीं करना है। साथ ही उन्होंने प्रत्याशियों को चुनाव खर्च की भी जानकारी दी।

# एसपी ने सभी थाना प्रभारी को दिया आवश्यक निर्देश

**पाकुड़/झारखंड देखो।**

पुलिस अधीक्षक अपने कार्यालय कक्ष में एसपी एचपी जनार्दनन के अध्यक्षता में मासिक अपराध गोष्ठी समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में साथ ही माह अप्रैल में किये गए कार्यो की समीक्षा के उपरांत सभी थाना, ओपी प्रभारी को निम्नांकित आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। बैठक में एसपी ने आगामी पंचयात चुनाव के सन्दर्भ में सभी थाना/ओपी प्रभारी को अपने-अपने क्षेत्र में अलर्ट रहने एंव बूथ/बिल्डिंग का वेरिफिकेशन करने हेतु निर्देश दिया गया। गैर जमानतीय वारंट एंव कुर्की का निष्पादन करने हेतु निर्देश दिया गया। अवैध रूप से शराब, ब्राउन सुगर, गांजा इत्यादि मादक पदार्थों की बिक्री करने वाले एवं तस्करी करने वाले के अड्डों पर एवं किन लोगों के द्वारा किया जाता है पता कर कार्रवाई करने का निर्देश भी सभी थाना प्रभारी को दिया गया। सभी दागियों और आपराधिक छवि वाले लोगों पर कड़ी नजर रख कर सर्विलांस प्रोसीडिंग की कार्रवाई चलाना सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। अपने-अपने थाना क्षेत्र में सघन वाहन चेकिंग करने का निर्देश दिया गया। चुनाव को प्रभावित करने वाले व्यक्तियों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध दप्रस की धारा-107 की कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। जेल से छूटे अपराधियों पर कड़ी नजर रखकर निगरानी रखे। महत्वपूर्ण कांडों में त्वरित न्याय दिलाने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण कांडों का स्पीडी ट्रायल कराने का निर्देश दिया गया। तीन साल, दो साल से अधिक पुराने कांडों के त्वरित निष्पादन के लिए निर्देश दिया गया। सभी नक्सली /माओवादी/ अपराधियों उनके समर्थकों /सहयोगी की सूची बनाकर उन पर कड़ी कार्रवाई कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया।महिलाओं के प्रति होनेवाले अपराध के प्रति संवेदनशीलता के साथ त्वरित कार्रवाई करना। सभी थानों के आंकड़ों को सीसीटीएनएस में ससमय प्रविष्टि कराने का निर्देश दिया गया। सभी थानों को अधिकाधिक कांड के निष्पादन के लिए लक्ष्य दिया गया। उत्कृष्ट कार्य करने वाले पदाधिकारियों सम्मानित किया गया। चरित्र सत्यापन ससमय सत्यापन करने का निर्देश दिया गया। थाना में कोई व्यक्ति यदि थाना आये सर्वप्रथम आगन्तुक रजिस्टर में उनका नाम एंव किस कार्य हेतु आये है की प्रविष्टि करने का निर्देश सभी थाना/ओपी प्रभारी को दिय गया। पंचायत चुनाव को शांति पूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराने हेतु ड्रोन से नजर रखी जायेगी। इस हेतु सभी थाना प्रभारी को निर्देश दिया गया है। पोस्को एक्ट कांडो का निर्धारित तिथि से पूर्व कांडो का निष्पादन करने हेतु सभी थाना/ओपी प्रभारी को निर्देश दिया गया।

## संक्षिप्त समाचार

### संभावित प्रत्याशियों की चर्चा जोरों पर

**पाकुड़/झारखंड देखो।** पाकुड़िया प्रखंड क्षेत्र में पंचायत चुनाव को लेकर पारा चढ़ने लगा है। चौक चौराहों पर संभावित प्रत्याशियों की चर्चा जोरों पर है। पंचायत चुनाव को लेकर संभावित प्रत्याशियों ने मतदाताओं से मिलना जुलना शुरू कर दिया है। पाकुड़िया प्रखंड में कुल 18 पंचायत हैं, जहां 130 मुखिया एवं 434 वार्ड सदस्य प्रत्याशियों ने नामांकन पर्चा दाखिल किया है। प्रखंड के विभिन्न चौक चौराहों पर सुबह-शाम चाय की चुस्की लेने के लिए पहुंचने वाले लोगों की जुबान पर सिर्फ पंचायत चुनाव की ही चर्चा हो रही है। जिला परिषद, पंचायत समिति, मुखिया सहित विभिन्न वार्ड सदस्यों के पद पर किस-किस ने नामांकन कराया है और कौन जीतने वाला है तथा पुराने जनप्रतिनिधियों के कामों को गिना जा रहा है तो कुछ पुराने कामों की खामियां गिना रहे हैं। कुछ मतदाताओं से पूछा गया तो लोगों ने अपनी अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि वे लोग ऐसे जनप्रतिनिधियों को चुनेंगे जो आगामी 5 साल तक उनके सुख दुख में शामिल होकर गांव की छोटी-मोटी समस्याओं का समाधान कर सके तथा ईमानदार होकर जाति धर्म समुदाय से ऊपर उठकर समाज के अंतिम व्यक्ति तक सरकारी लाभ पहुंचा सके।

# मदर्स डे पर संत माइकल एंग्लो विद्यालय में आयोजित हुआ हेल्पिग मॉम कार्यक्रम

## कार्यक्रम कराने का एकमात्र उद्देश्य विद्यार्थियों में मां की अहमियत को समझाना : डॉ. जे.सी. राज

**देवघर।**

आठ मई को मदर्स डे के दिन विभिन्न स्कूलों में मातृ दिवस की धूम रही। देवघर के विभिन्न प्राइवेट और सरकारी स्कूलों में स्टूडेंट्स द्वारा कई तरह की एक्टीविटी करते हुए मां के प्रति प्यार को दर्शाने का प्रयास किया गया। एक्टीविटी के जरिए जहां पर मां के प्यार को दिखाया गया वहीं पर विद्यार्थियों की प्रतिभा को मंच दिया गया। स्कूलों में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में गीत-संगीत, नृत्य, रैंप वॉक के अलावा भाषण प्रतियोगिता और सांस्कृतिक कार्यक्रम के जरिए मां के समर्पण को दिखाने का प्रयास किया गया।वहीं संत माइकल एंग्लो विद्यालय के बच्चों द्वारा अपने आप में विशेष तरह का एक अनोखा कार्यक्रम आयोजित किया गया। विद्यालय प्रबंधन द्वारा इस कार्यक्रम को 'हेल्पिग मॉम' नाम दिया गया। संत माइकल एंग्लो विद्यालय के

### माँ, जिसकी छाया में मनुष्य ही नहीं देवता भी स्वयं को आनंदित अनुभव करते हैं : डॉ. राज

चेयरमैन डॉ. जे.सी.राज ने बतलाया कि जहां साल भर मॉम अपने बच्चों के लिए सभी प्रकार का कार्य करती है। आज वही कार्य बच्चों के द्वारा अपनी माँ के लिए किया गया। डॉ. राज ने बताया कि ऐसा कार्यक्रम कराने का एकमात्र उद्देश्य विद्यार्थियों में मां की अहमियत को समझाना है। मां के प्यार और त्याग को बचपन से यदि समझाया जाए तो बच्चे उसे समझते हैं और मां की भावना से जुड़कर जीवन में बेहतर करने का प्रयास कर सकते है। डॉ. राज ने कहा कि मां की ममता और त्याग के बारे में बच्चों में समझ होनी जरूरी है। मदर्स डे के जरिए बच्चों द्वारा मॉम को हेल्प करने वाली एक्टीविटी करवाकर हमने स्टूडेंट्स में उस समझ को पैदा करने की एक नायाब कोशिश की। डॉ. राज ने
मां की महिमा का वर्णन करते हुए उसे त्याग, प्रेम, दया और स्नेह की मूर्ति बताया, जिसकी छाया में मनुष्य ही नहीं देवता भी स्वयं को आनंदित अनुभव करते हैं। डॉ राज ने यह भी कहा कि हमें केवल इसी दिन नहीं बल्कि प्रत्येक दिन हमें अपनी मां का शुक्रिया अदा करना चाहिए, जिसने हमें हमारा अस्तित्व प्रदान किया। हेल्पिग मॉम में भाग लेने वाले बच्चों में रिया चौधरी, आदर्श केशरी, श्रेयांस भारद्वाज, अद्विक, हनी, इशान राजपूत, प्रियेश पवन, अर्चित चौबे, अयान, यश सहित कई शामिल हैं।

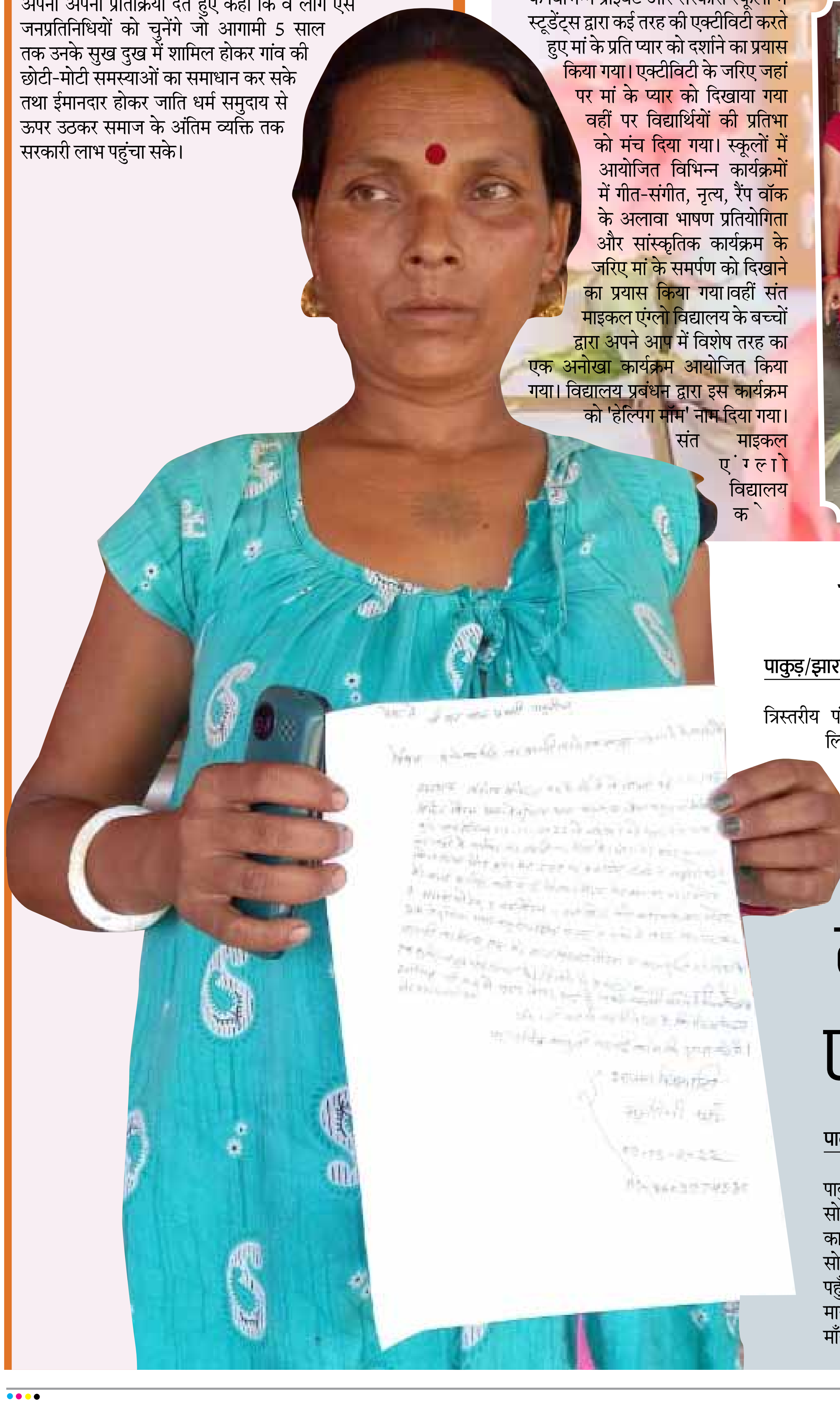

# उपायुक्त देंगे प्रशिक्षण

**पाकुड़/झारखंड देखो।**

त्रिस्तरीय पंचायत (आम) निर्वाचन, 2022 के लिए 11 मई को सेक्टर दण्डाधिकारियों, उड़नदस्ता दलों, स्वास्थ्य विभाग के सभी सी एच ओ एवं प्रभारियों का प्रशिक्षण रविंद्र भवन टाउन हॉल में दिया जाएगा।त्रिस्तरीय पंचायत (आम) निर्वाचन, 2022 के लिए 11 मई को सेक्टर दण्डाधिकारियों, उड़नदस्ता दलों, स्वास्थ्य विभाग के सभी सी एच ओ एवं प्रभारियों को रविन्द्र भवन, टाउन हॉल पाकुड़ में प्रशिक्षण कार्यक्रम जिला निर्वाचन पदाधिकारी (पंचायत )-सह उपायुक्त की अध्यक्षता में प्रशिक्षण दिया जाएगा।

# न्याय की मांग को लेकर पीड़ित महिला पहुंची थाना

**पाकुड़/झारखंड देखो।**

पाकुड़िया थाना क्षेत्र के तेतुलिया ग्राम निवासी सोहागिनी मुर्मू के साथ मारपीट एवं बदसलूकी का मामला प्रकाश में आया है। पीड़िता सोहागिनी मुर्मू ने सोमवार को पाकुड़िया थाना पहुँचकर थाना प्रभारी को शिकायत पत्र देते हुए मारपीट करने वालो के विरुद्ध कार्यवाही की माँग की है । पीड़िता ने पुलिस को बताया कि सोमवार की करीब सात बजे सुबह तेतुलिया गाँव के ही बीरबल सोरेन, असना सोरेन, कहा सोरेन एवं वर्षा सोरेन ने मिलकर उनके घर के पास पहुँचकर उनके साथ मारपीट कर जख्मी कर दिया और लज्जाभंग भी किया। जिस कारण वह शर्मिंदगी महसूस कर रही है। इधर पुलिस ने पीड़िता का शिकायत सुनने के बाद उनका स्वास्थ्य जाँच कराया और कार्यवाही करते हुए न्याय दिलाने का भरोसा दिया ।

### 78 गर्भवती महिलाओं की हुई स्वास्थ्य जांच

**पाकुड़/झारखंड देखो।** प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व वंदना योजना के तहत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पाकुड़िया में सोमवार को गर्भवती महिलाओं के लिए विशेष जांच एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में पाकुड़िया सहित प्रखंड के विभिन्न गाँवो से पहुंची 78 गर्भवती महिलाओं की निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच सामाजिक दूरी व कोरोना गाइडलाइंस का पालन करते हुए की गई। इस दौरान चिकित्सा डॉ गंगा शंकर साह, बसंती टुडू, मार्सीला सोरेन,अनुराधा कुमारी एव नागेश प्रसाद कई अन्य स्वास्थ्य कर्मी आदि ने गर्भवती महिलाओं का रक्तचाप, वजन, हीमोग्लोबिन, यूरिन, एचआईभी, शुगर एलबोमिना आदि अन्य जाँच कर आवश्यक दवा और जरूरी सलाह दिए। डॉ गंगाशंकर ने बताया कि गर्भवती माताओं को जाँचोपरांत आवश्यकतानुसार दवा, विटामिन, आयरन व फोलिक एसिड का टेबलेट, कैल्शियम आदि दवा का मुफ्त में बितरण किया गया। मौके पर चिकित्सक ने सबों को सरकारी अस्पताल में ही संस्थागत प्रसव कराने का निर्देश दिया। इस दौरान संबंधित गांवों की स्वास्थ्य सहिया भी मौजूद थीं।

### मुखिया प्रत्याशीयों को आचार संहिता का पाठ पढ़ाया

**उधवा/झारखंड देखो।** त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर प्रखंड सचिवालय परिसर में सोमवार को निर्वाची पदाधिकारी सह अंचल अधिकारी विक्रम महली ने 26 पंचायत के 105 मुखिया प्रत्याशी को आचार संहिता व व्यय के आलोक में एक बैठक आयोजित किया गया .इस दौरान निर्वाची पदाधिकारी (मुखिया) विक्रम महली ने उपस्थित उम्मीदवारों को मुखिया के प्रत्याशी को खर्च के अधिकतम राशि 84 हजार के अंदर ही खर्च करने को कहा. साथ ही उम्मीदवारों को सरकारी भवन जैसे स्कूल , आंगनवाड़ी, बिजली पोल समेत किसी भी सरकारी संपत्ति पर बैनर पोस्टर चिपकाने पर प्रतिबंध रहेगा.बैठक के बाद निर्वाचन पदाधिकारी विक्रम महली ने अपने कार्यालय कक्ष में मुखिया प्रत्याशीयों के बीच चुनाव चिन्ह आवंटित किया. चुनाव चिन्ह मिलते ही संबंधित मुखिया उम्मीदवार अपने चुनाव चिन्ह को सोशल मीडिया पर खुब शेयर किया. चुनाव चिन्ह में मुखिया उम्मीदवारों को सेब, गुब्बारा, बाल्लेबाज व बेल्ट चुनाव चिन्ह आवंटित किया गया.

## संक्षिप्त समाचार

### बीटेक छात्र ने की आत्महत्या, सुसाइड नोट में लड़की से प्यार का ज़िक्र

**धनबाद।** सदर थाना क्षेत्र के जय प्रकाश नगर में बीटेक के छात्र रूपम मंडल ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. जय प्रकाश नगर में वह अपने पांच से छह साथियों के साथ प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहा था. यहां सभी साथी एक किराए के मकान में एक कमरे में रहते थे. रूपम दुमका जिला के गगरा का रहने वाला था. बाथरूम में उसका शव फांसी के फंदे से झूलता पाया गया. लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुची और आगे की प्रकिया में जुटी है. मौके से एक सुसाइड नोट भी मिला है. जिसमे रूपम ने किसी लड़की से प्यार करने का जिक्र किया है. पुलिस ने सुसाइड नोट को जब्त कर लिया है.

### घर में घुसकर बीजेपी नेता की गोली मारकर हत्या, पुलिस बोली...

**लोहरदगा।** बीती रात के करीब 2 बजे घर में घुसकर बीजेपी नेता रतनू महतो की गोली मारकर हत्या कर दी गई। रतनू घर के बरामदे में बच्चे के साथ सो रहे थे। घर के बाकी सदस्य अंदर कमरे में थे। घर का दरवाजा खुला था। इसी दौरान एक नकाबपोश अचानक से घर में घुसा और रतनू की कनपटी में सटाकर गोली मार दी। गोली की आवाज सुनते ही घरवाले भागे-भागे बाहर निकले। देखा खून से लथपथ रतनू तड़प रहे हैं। आनन-फानन में पुलिस को सूचना दी गई और उन्हें अस्पताल ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद रांची के रिम्स रेफर कर दिया गया। मगर रास्ते में ही रतनू ने दम तोड़ दिया।
रतनू लोहरदगा के कुडू थाना क्षेत्र के जीमा-चटकपुर गांव के रहने वाले थे। घटना की पुष्टि पुलिस के एक आला अधिकारी ने की है। रतनू भाजपा संगठन के चटकपुर बूथ अध्यक्ष थे। घर के लोगों ने भाग रहे नकाबपोश को पकड़ने की कोशिश की, मगर वह हाथ नहीं लगा। मामले में पुलिस 3 लोगों को हिरासत में लेकर उससे पूछताछ कर रही है। जांच में पता चला कि रतनू का परिवार के ही कुछ लोगों से जमीन विवाद चल रहा था। इससे पहले भी रतनू को एक बार मारने का प्रयास किया गया था, मगर तब वह बाल-बाल बच गए थे। रतनू के बेटे को भी कुएं में धक्का देकर मारने का प्रयास किया गया था। पुलिस कई बिंदुओं पर छानबीन कर रही है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही मामले का खुलासा कर लिया जाएगा।अपराधियों की पहचान कर ली गई है।

### बंद खदान में 2 आदिवासी युवको के शव बरामद

**बोकारो ।** जिले के महुआटांड थाना क्षेत्र स्थित गिधनिया बंद खदान में दो आदिवासी युवक का शव बरामद हुआ है. आशंका जताई जा रही है कि दोनों की हत्या की गयी है. दोनों युवकों की पहचान सिमराबेड़ा गांव के प्रदीप हांसदा और महावीर मरांडी के रूप में हुई है. मृतकों के शरीर में अंदरूनी चोट है. एक की कनपटी पर चोट का निशान है.परिजनों ने घटना की सूचना स्थानीय पुलिस और गोमिया के पूर्व विधायक योगेंद्र प्रसाद को दी. सूचना मिलने पर महुआटांड थाना प्रभारी विवेक तिवारी दल-बल के साथ घटनास्थल पर मौके पर पहुंचे. पुलिस ने दोनों के शव का पंचनामा किया और पोस्टमार्टम के लिए तेनुघाट भेज दिया. पुलिस आगे की कार्रवाई में जुट गयी है.सूचना पाकर पूर्व विधायक योगेंद्र प्रसाद भी वहां पहुंचे . उन्होंने कहा कि इस मामले में पुलिस त्वरित जांच कर मामले का उद्भेदन करे. जो भी इस मामले में संलिप्त है, उसे गिरफ्तार करे.घटना के संबंध में बताया गया कि प्रदीप हांसदा और महावीर मरांडी रविवार शाम को घर से निकले थे. लेकिन रात को जब दोनों घर नहीं लौटे, तब उनके परिजनों से खोजबीन शुरू की. घर से एक किलोमीटर की दूरी पर गिधनिया बंद खदान के बाहर उनकी मोटरसाइकिल खड़ी मिली. परिजनों ने थोड़ा आगे जाकर देखा तो दोनों अचेत अवस्था में मिले. लेकिन जब उनके नब्ज चेक किया गया तो पाया कि दोनों की सांस नहीं चल रही थी.

# त्रिस्तरीय पंचायत आम निर्वाचन के सफल क्रियान्वयन को ले जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने विभिन्न कोषांगों के साथ बैठक की, दिया जरूरी दिशा निर्देश...

- **सभी संबंधित अधिकारियों को उनके दायित्वों से अवगत कराते हुए निर्वाचन संबंधी कार्यों को सुचारु रूप से क्रियान्वित करने का आवश्यक निर्देश दिया...**
- **मतदान केंद्रों एवं कलस्टर केंद्रों पर सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने एवं सुविधाओं को सुदृढ़ करने का निर्देश दिया...**

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

**गिरिडीह।** त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन 2022 के सफल क्रियान्वयन को लेकर समाहरणालय सभागार कक्ष में जिला निर्वाचन पदाधिकारी, श्री नमन प्रियेश लकड़ा की अध्यक्षता में विभिन्न कोषांगों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में निर्वाचन कार्यों संबंधी आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। बैठक के दौरान जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने सर्वप्रथम सभी संबंधित अधिकारियों को उनके दायित्वों से अवगत कराते हुए निर्वाचन संबंधी कार्यों को सुचारु रूप से क्रियान्वित करने का आवश्यक निर्देश दिया। इस दौरान जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने मतदान केंद्रों पर सभी व्यवस्था जैसे पेयजल, शौचालय, विद्युत, रैंप, शेड आदि की उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही मतदान केंद्रों पर मतदान हेतु कुर्सी, टेबल, बेंच आदि की व्यवस्था सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया। इसके अलावा उन्होंने कलस्टर केंद्रों पर भी सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने का निर्देश दिया। इस दौरान उन्होंने कलस्टर केंद्रों पर सभी संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारी के द्वारा पर्याप्त रोशनी, पेयजल एवं शौचालय की व्यवस्था सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक क्लस्टर केंद्र पर क्लस्टर प्रभारी एवं सहायक क्लस्टर प्रभारी नियुक्त किया जाए। इसके अलावा जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने मतदान कर्मियों के प्रखंड क्षेत्र पहुंचने एवं मतदान के पश्चात प्रखंड क्षेत्र निकलने की सूचना संग्रहण हेतु ड्रॉप गेट की व्यवस्था सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया। उन्होंने बताया कि दिनांक 13.05.22 को मतदान कर्मियों को गिरिडीह महाविद्यालय से डिस्पैच किया जाएगा।
इसके अलावा जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी को आवश्यक निर्देश दिया कि सभी प्रखंडों में प्रखंड स्तर पर कंट्रोल रूम की व्यवस्था सुनिश्चित कर ली जाए एवं अपने स्तर से कर्मियों की प्रतिनियुक्ति कर दी जाए। इस हेतु महिला शिक्षिका, बाल विकास परियोजना कार्यालय के कर्मियों आदि की सेवा भी लिया जा सकता है। इसके अलावा उन्होंने बताया कि डिस्पैच के दिन ड्रॉप गेट पर उपस्थित कर्मियों से प्रखंड क्षेत्र में प्रवेश करने वाले मतदान दलों की सूचना प्राप्त करना तथा क्लस्टर पर ठहरने वाले मतदान दलों के संबंध में क्लस्टर प्रभारी से सूचना प्राप्त करना सुनिश्चित करेंगे। साथ ही सीधे मतदान केंद्र पर पहुंचने वाले मतदान दलों से उनके मतदान केंद्र तक पहुंचने की सूचना प्राप्त करना तथा उक्त सभी सूचनाएं संकलित करते हुए संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारी द्वारा जिला कार्यालय को ओके रिपोर्ट उपलब्ध कराया जाएगा। इस ओके रिपोर्ट का तात्पर्य होगा कि प्रखंड अंतर्गत सभी मतदान कर्मी (सुरक्षित सहित) संबंधित कलस्टर केंद्र/मतदान केंद्र पर पहुंच गए हैं।

- **मतदान के दिन प्रखंड स्तरीय कंट्रोल रूम का कार्यः-**

सेक्टर पदाधिकारी से सभी मतदान दलों (कलस्टर में ठहरने वाले) के संबंधित मतदान केंद्र पहुंचने की सूचना प्राप्त करना, प्रातः 7:00 बजे मतदान प्रारंभ होने की सूचना प्राप्त करना, प्रति 2 घंटे में मतदान प्रतिशत के आंकड़ों की सूचना प्राप्त करना, मतदान समाप्ति के पश्चात प्रखंड स्तरीय ड्रॉप गेट पर प्रतिनियुक्त कर्मियों से मतदान दलों के प्रखंड क्षेत्र से ब्रजगृह की ओर प्रस्थान करने की सूचना प्राप्त करना।

- **कम्युनिकेशन प्लानः**

सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी द्वारा एक कम्युनिकेशन प्लान तैयार किया जाएगा जिसमें प्रत्येक मतदान केंद्र हेतु 3 व्यक्तियों के नाम एवं उनके फोन नंबर अंकित होगा। कम्युनिकेशन प्लान हेतु सभी प्रखंडों को प्रपत्र उपलब्ध कराया गया है।

- **रूट चार्टः**

सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी द्वारा विहित प्रपत्र में रूट चार्ट उपलब्ध कराया गया है। रूट चार्ट का उपयोग पोलिंग पार्टी एवं पेट्रोलिंग पार्टी के द्वारा किया जाएगा।
वाहनों की आवश्यकता एवं उपलब्धताः वनों की आवश्यकता का कलमकारी से मतदान दल के साथ टैग करना। साथ ही यह सुनिश्चित करना है कि वाहनों का ऑप्टिमम उपयोग हो।

- **डिस्पैच सेंटर पर सभी आवश्यक व्यवस्थाः**

पेयजल हेतु पानी टैंकर की उपलब्धता सुनिश्चित करना, प्रत्येक प्रखंड के पंडाल के पास एक या दो टैंकर की उपलब्धता, वाहन कोषांग के पास एक एवं वाहन पड़ाव मैदान में दो टैंकर की उपलब्धता, डिस्पैच परिसर में अन्य जगह/गेट के पास 1 या 2 टैंकर की उपलब्धता, डिस्पैच सेंटर पर मेडिकल टीम एवं एंबुलेंस की व्यवस्था सुनिश्चित करना।

# आईएमए के आहवान पर निजी अस्पतालों में 24 घंटे की हड़ताल का झरिया में दिखा असर

- **इमरजेंसी सेवाएं छोड़ बाकी सभी सेवाएं हैं बाधित**

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

**झरिया/धनबाद।** धनबाद के प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. समीर से रंगदारी मांगने ,हत्या की धमकी देने के विरोध में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) ने 24 घंटे के लिए अस्पतालों में इमरजेंसी सेवा छोड़ सभी सेवाएं बंद रखने की घोषणा की थी। जिसका असर झरिया मे भी देखने को मिला। शहर के सभी अस्पतालों मे इमरजेंसी सेवाओं को छोड़ सभी प्रकार की सेवाएं बाधित है,जिस कारण मरीजों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।
डॉक्टर ओम प्रकाश अग्रवाला ने बताया कि इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के आ''ान पर सुबह छह बजे से हड़ताल कर जिला के डॉक्टरों पर हो रहे आपराधिक गतिविधियों पर नकेल कसने की मांग की गई है। वही मातृ सदन के डॉक्टर मकसूद आलम ने बताया कि इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के आ''ान पर जिले के सभी डॉक्टर एवं अस्पताल प्रबंधन द्वारा 24 घंटे की हड़ताल की गई है ताकि जिला प्रशासन हमारी मांगो पर अमल कर हमारी सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करें।
बता दे कि जाने माने शल्य चिकित्सक डॉक्टर समीर कुमार को रंगदारी के लिए फोन पर मिल रही धमकी मामले में धनबाद पुलिस ने 4 अपराधियों को साइबर सेल के सहयोग से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। वही धनबाद एसएसपी संजीव कुमार ने धनबाद जिला के व्यवसाय वर्ग एवं डॉक्टरों को सुरक्षा का भरोसा भी दिया बावजूद इसके जिला में हो रही लगातार आपराधिक गतिविधियों के कारण धनबाद जिला के व्यापारी एवं डॉक्टर सुरक्षा व्यवस्था के लिहाज से किसी प्रकार का समझौता करने के मूड में नही दिख रहे।

# सिंदरी में भाजपा ने सरकार की शव यात्रा निकाल किया पुतला दहन

- **नेताओं ने आइएएस पूजा सिंघल को निलंबित नहीं करने पर जताया आश्चर्य**

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

**धनबाद।** सिंदरी भारतीय जनता पार्टी ने प्रदेश नेतृत्व के आहवान पर 8 मई की शाम सिंदरी में हेमंत सरकार की शव यात्रा निकाली गई और और पुतला दहन किया. भाजपाइयों का कहना था कि कि हेमंत सोरेन ने अपने कार्यकाल में झारखंड को लूट का अड्डा बना दिया है. जिस विभाग के हेमंत सोरेन मंत्री हैं, उसी के सचिव के यहां करोड़ों रुपये मिल रहे हैं. साबित हो गया है कि मुख्यमंत्री स्वयं भ्रष्टाचार में लिप्त हैं. उनके विभाग की सचिव पूजा सिंघल को अभी तक निलंबित नहीं किया गया, जो आश्चर्यजनक है. झारखंड में आए दिन बलात्कार, मर्डर, कोयले की चोरी आम बात हो गयी है. इस सरकार को सत्ता में रहने का अधिकार नहीं है. शव यात्रा में भाजपा के सिंदरी नगर अध्यक्ष अरविंद पाठक, जिला कार्यसमिति सदस्य सुमन चौधरी, ब्रजेश सिंह, रंजना शर्मा, अनुसूचित जाती मोर्चा के जिला अध्यक्ष प्रकाश बाउरी, नगर महामंत्री इन्द्र मोहन सिंह, नगर उपाध्यक्ष गणपति बाउरी, मनीष सिन्हा, नगर मंत्री ज्ञान मोहन सिंह, विजय नाहा, नगर संयोजक अमरेन्द्र सिंह, युवा मोर्चा अध्यक्ष सुशांत महतो, युवा मोर्चा उपाध्यक्ष बिरेन्द्र प्रसाद, युवा मोर्चा महामंत्री संदीप पांडेय, युवा मोर्चा मंत्री अविनाश देव, महिला मोर्चा अध्यक्ष अनिमा सिंह, महिला महामंत्री चुमकी देवी, अनुसूचित जाति मोर्चा के जिला मंत्री चंद्रावती देवी, विजय कुमार, किसान मोर्चा अध्यक्ष नकुल सिंह, किसान मोर्चा उपाध्यक्ष सत्येन्द्र कुमार सिंह, किसान मोर्चा मंत्री गोपी पाल, अनुसूचित जाति मोर्चा के अध्यक्ष प्रदीप हाड़ी, अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष इंदरजीत सिंह, ओबीसी मोर्चा के महामंत्री रमेश साव,सुनील शर्मा, कमला देवी,कुमार राजेश, ओम प्रकाश सिंह, चंचल, सूरज उपाध्याय, शिव प्रकाश,मोहित मिश्रा आदि शामिल थे.

### तेज रफ्तार बाइक ने पैदल चल रहे व्यक्ति को मारी टक्कर

**बेरमो।** चन्द्रपुरा थाना क्षेत्र के मकोली ओपी थाना क्षेत्र के मकोली पेट्रोल पंप के समीप पैदल चल रहे 52 वर्षीय राजकिशोर सोनार को एक तेज रफ्तार बाइक ने पीछे से टक्कर मार दिया।जिसमे राहगीर राजकिशोर घायल हो गया। राजकिशोर सोनार नावाडीह थाना के बोदरो का रहने वाला है।स्थानीय लोगों की मदद से 108 एंबुलेंस से करगली क्षेत्रीय अस्पताल ले जाया गया।जहां डॉक्टर एसके भारतीय ने प्राथमिक इलाज किया।

### भ्रष्टाचार के विरोध में बीजेपी ने निकाली हेमंत सोरेन की शव यात्रा

**बेरमो।** फुसरो नगर मंडल भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं के द्वारा झारखंड सरकार के विरोध में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की शव यात्रा कार्यक्रम किया गया। यात्रा खुसरो नगर मंडल में नवा खाली पड़ा मंदिर से पुराना बीडीओ ऑफिस भाजपा कार्यालय तक निकाला गया। इस दौरान प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, जगन्नाथ राम, उपाध्यक्ष श्रीमती अर्चना सिंह, मोर्चा नगर अध्यक्ष सुमित सिंह, युवा मोर्चा महामंत्री सूरज सिंह राठौर, पूर्व जिलाध्यक्ष जगन्नाथ राम, ओबीसी मोर्चा नगर अध्यक्ष श्रीकांत सिंह, बोकारो महिला उपाध्यक्ष श्रीमती राधा देवी जिला मंत्री, सरोजिनी देवी मनोज कुमार शंकर सिन्हा , जितेंद्र सिंह, रमेश स्वर्णकार, महेंद्र सिंह, शिवलाल रविदास, बीना देवी, देव नारायण महतो, सुमन कुमारी, नितेश सिंह, वरिष्ठ नारायण सिंह, सुनीता देवी, कृष्णा कुमार सोनी युवा मोर्चा मीडिया प्रभारी शामिल हुए।

### मातृ दिवस पर किया गया सोनी कुशवाहा को दिल्ली मे सम्मानित

**हजारीबाग।** दारू प्रखंड के रामदेव पीर का निवासी सोनी कुशवाहा को दिल्ली आर्य समाज मीटिंग हॉल में कपिल मिश्रा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी द्वारा बाग पत सारथी वेलफेयर फाउंडेशन अध्यक्ष के द्वारा सोनी कुशवाहा कोआबार्ड देकर 100 गर्ल्स क्लब के माध्यम से सम्मानित किया गया इसमें राजमणि जी ने सारथी वेलफेयर फाउंडेशन की काफी प्रशंसा की वही सेनेटरी पैड बांटने के लिए महिलाओं को जागरूक करने के लिए प्रेरित किया और साथ ही कहा कि गांव-गांव में जाकर झुगी-झोपड़ी मैं रहने वाले श्रीमती कुशवाहा के द्वारा सेनेटरी पैड बांटे और सामाजिक कार्य को भी करना व देखना काफी हिम्मत की बात है। वही महिलाओं ने बढ़ चढ़कर भाग ले रही है इस कार्यक्रम में झारखंड से चेन्नई से महाराष्ट्र सहित कई अन्य जिले से महिलाओं को बुलाकर सम्मानित किया गया साथी वंदना गुप्ता ने लोगों को संबोधित करते हुए बताया कि सारथी वेलफेयर फाउंडेशन हमेशा सामाजिक कार्य में अग्रसर रहता है और सेवा करता है और हमेशा सेवा करते रहेंगे

### हनुमान मंदिर की स्थापना को ले निकली भव्य कलश यात्रा,जयकारों से गूंजा इलाका

**कतरास/धनबाद।** लेढीडूमर स्थित हनुमान मंदिर की स्थापना को लेकर सोमवार को भव्य कलश यात्रा निकाली गयी.माँ लिलोरी मंदिर से जल लेकर कन्या-महिलाए मंदिर परिसर पहुचा.भक्ति नारो से इलाका गुंजयमान हो गया. ढोल-नगाड़ा ओर आदिवासी नृत्य से सबका मनमोह लिया.यात्रा को लेकर कई जगहों पर तोरणद्वार बन्याय गया था.बेहराकुदर मोड़ से लेकर लेढीडूमर पुल तक महावीरी झंडे से हीरक सड़क के दोनो छोर को पाट दिया गया था. बेहराकुदर, लेढीडूमर,रंगनीबाड़ी सहित आसपास के कई गांव के लोग सम्मलित हुए.धनबाद-बोकारो क्षेत्रीय राजपूत समाज के पदाधिकारियों ने भी शिरकत की.समारोह तीन दिनों तक चलेगा.

# खनन टास्क फोर्स की बैठक संपन्न, दिए गए कई आवश्यक निर्देश

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

**हज़ारीबाग।** समाहरणालय सभागार में उपायुक्त की अध्यक्षता में हज़ारीबाग जिला खनन टास्कफोर्स की बैठक सम्पन्न हुई।
मौके पर ज़िले के अंतरगत अवैध खनन, अवैध परिवहन एवं अवैध संचालन के बावत प्रभावी कार्रवाई की समीक्षा की गई है। उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक मनोज रतन चैथे द्वारा बैठक में उपस्थित प्रदूषण विभाग के पदाधिकारी एवं जिला ख़नन पदाधिकारी एवं अन्य पदाधिकारियों को पत्थर एवं कोयले के अवैध खनन परिवहन एवं साथ साथ अवैध क्रसर संचालन पर रोक लगाने हेतु ज़रूरी दिशा-निर्देश दिया गया। पुलिस अधीक्षक द्वारा अवैध खनन की रोकथाम के लिए जिला के सभी थाना प्रभारियों को खनन विभाग के अधिकारियों को अवैध खनन एवं परिवहन की रोकथाम के कार्रवाई के दौरान आवश्यकतानुसार पूरी सुरक्षा एवं आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने हेतू तत्काल ज़रूरी निर्देश दिया गया।मौके पर एसपी द्वारा यह भी बताया गया कि ये हाल के दिनों में पुलिस प्रशासन द्वारा खनन विभाग के अधिकारियों के साथ अवैध कोयला के मामलों में बरही, चौपारण, बडकागॉव एवं अन्य क्षेत्रों में सैकड़ों टन कोयला ज़ब्त कर 20 से अधिक कोयला लदे गाड़ियों पर कार्रवाई की गई है। बैठक में जिला खनन पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि सिर्फ़ पिछले दो माह में जिला खनन कार्यालय के खनन पदाधिकारी एवं खान निरीक्षक द्वारा चार प्राथमिकी के माध्यम छब्बीस अभियुक्तों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई है, तथा पाँच अवैध कर्ताओं की गिरफ़्तारी भी की गई है साथ ही साथ इस दौरान 26 वाहनों को ज़ब्त करते हुए 4,30,000 रूपये हज़ार जुर्माना एवं दो क्रशर संचालकों एवं दो खदान संचालकों के विरूद्ध प्राथमिकी दर्ज करते हुए 2 अवैध जिन्हें भट्ठों को भी ध्वस्त किया गया है।उपायुक्त द्वारा बिजली विभाग के कार्यपालक अभियंताओं को अवैध क्रसर मे काटे काटे गए बिजली से संबंधित सभी ट्रांसफॉर्मर को शीघ्र हटाने का निर्देश दिया गया।उपायुक्त द्वारा बैठक में उपस्थित क्षेत्रीय पदाधिकारी प्रदूषण नियंत्रण को संवेदी ज़ोन ( ईको सेंसेटिव जोन) अंतर्गत अवस्थित सभी क्रसरो को पुलिस बल प्रशासन की सहायता से सील करने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त द्वारा जिला ख़नन पदाधिकारी को निर्देश दिया गया कि कारख़ाना निरीक्षक को जिले में अवैध रूप से स्थापित एवं संचालित सभी क्रसरो पर नियम संगत कार्रवाई करने तथा सभी अंचल अधिकारियों को अपने-अपने अंचल क्षेत्रो मे बालू एवं पत्थर के अवैध खनन एवं परिवहन की रोकथाम हेतू तत्काल पत्र दें। बैठक में वन प्रमंडल पदाधिकारी और कारख़ाना निरीक्षक के उपस्थित नहीं रहने के कारण उपायुक्त ने नाराजगी जाहिर की। इस मौके पर जिला खनन पदाधिकारी, क्षेत्रीय पदाधिकारी प्रदुषण विभाग, महाप्रबंधक ज़िला उद्योग केन्द्र, खान निरीक्षक, एन टी पी सी के अधिकारियों की उपस्थिति रही।

# नेटवर्क नहीं रहने से परेशान है पीडीएस लाभुक

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

**दुमका।** जामा प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न जन वितरण प्रणाली की दुकानों से बायोमेट्रिक प्रणाली के माध्यम से चावल एवं अन्य खाद्यान्न सामग्रियों के उठाव के लिए आए दिन आम लोगों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।लेकिन क्षेत्र से जुड़े जनप्रतिनिधि और संबंधित अधिकारी इसके समाधन के लिए बहुत गंभीर दिखाई नहीं देते। दरअसल जामा प्रखण्ड क्षेत्र में नेटवर्क नहीं आने के कारण और बायोमेट्रिक अपडेशन में लेट लगने के कारण लोग इस भीषण गर्मी में सुबह पांच बजे से ही राशन लेने के लिए लाइन में लग जाते हैं। लेकिन फिंगर प्रिंट के माध्यम से राशन उठाने में उन्हें दिन भर का समय लग जाता है। कभी-कभी तो दो तीन बार दुकान का चक्कर लगाने के बाद भी उनका बायोमेट्रिक फिंगर प्रिंट नहीं हो पाता है जिस कारण लोगो को चावल और अन्य राशन के लिए दो तीन दिन से ज्यादा घूमना पड़ रहा है। बता दें कि जिनका फिंगर प्रिंट अपडेशन नहीं होता तो उस माह का राशन पीडीएड दुकानदार के रहमो करम पर निर्भर करता है कि उन्हें उस माह का राशन वितरण किया जाएगा या नही।यह उनकी मर्जी पर निर्भर करता है।ताजा मामला आसंजोर पंचायत के घोड़ीबाद में जन वितरण प्रणाली के दुकान का है जहां सोनामुनि मुर्मू दुकानदार है और उनके दुकान पर हर महीने लाभुकों को यही समस्या झेलनी पड़ती है।हालांकि अन्य सभी पंचायतों में लगभग बायोमेट्रिक मशीन पर लाभुकों का अपडेशन नही होना आम बात बन गई है।आसनजोर के घोडीबाद गांव में बायोमेट्रिक फिंगर नही उठने के कारण लोगो में काफी नाराजगी है और काम छोड़कर फिंगरप्रिंट लगवाने की समस्या से जूझना पड़ रहा है।लोगों का कहना है कि पहले एक बार फिंगर लगाने में घंटो का समय लगता था मगर अब तो चावल ,दाल ,चीनी नमक आदि अन्य सामग्रियों के लिए अलग-अलग पांच से छह बार फिंगर लगाना पड़ता है जिसमें दिन भर का समय लग जाता। इधर पांच से अधिक बार फिंगरप्रिंट लगवाने को लेकर लाभुकों में भ्रम पैदा हो गया है कि एक यूनिट राशन के लिए बिना वजह बताए पांच- पांच बार फिंगरप्रिंट लगवाया जा रहा है ऐसे में राशन वितरण में गड़बड़ी की आसंका बनी हुई है। सिलन्दा गांव के लाभुक बालेश्वर राणा ने जब जन वितरण दुकानदार पानसुरी मुर्मू से एक यूनिट राशन के लिए 5 बार फिंगरप्रिंट लेने का कारण पूछा तो उन्होंने बताया कि चावल, गेहूं ,नमक, चीनी आदि राशन के लिए अलग-अलग फिंगरप्रिंट लिया जा रहा है। दुकान में आए शिलांदा,ऊपर रंगनी आदि गांव के लाभुक बालेश्वर राणा, जितेंद्र राणा, मोहन कोटवार, रामपति राउत ,गौरा देवी, मीना देवी ,प्राण मांझी, सावन राय गोपाल महाराणा आदि ने कहा की फिंगरप्रिंट की समस्या से बार-बार विभाग में शिकायत दर्ज कराया जाता है लेकिन नही सुनी जाती है ।अब तो पंचायत चुनाव चल रहा है । इसलिए दुकानदार के यहाँ मामला उठाया जा रहा है लेकिन जनप्रतिनिधि और विभाग के अधिकारी इस पर हल निकालने में दिलचस्पी दिखाते हैं या नहीं या फिर इसे टालमटोल कर दिया जाता है।लाभुकों का कहना है कि जनता द्वारा राशन वितरण प्रणाली में ब्यापक गड़बड़ी उजागर करने पर भी कोई कारवाई नही की जाती क्योंकि मामले का टालमटोल कर गरीब जनता का राशन गबन किया जाना आम बात बन गई है। अगर सही मायने में उच्च स्तरीय जांच हुई तो कई चौकानेवाले परिणाम सामने निकाल कर आएंगे कई गबन की घटना उजागर होंगे तो कोई आश्चर्य की बात नहीं।

## संक्षिप्त समाचार

### मतदान कर्मी हैंड्स ऑन ट्रेनिंग का ले सकते हैं लाभ

**दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि।** त्रिस्तरीय पंचायत (आम) निर्वाचन को सफलतापूर्वक संपन्न कराने हेतु जिले के सभी प्रखंडों में 10 एवं 11 मई को 11 बजे पूर्वाह्न से 3 अपराह्न तक हैंड्स ऑन ट्रेनिंग की व्यवस्था की गयी है।इस हैंड्स ऑन ट्रेनिंग में त्रिस्तरीय पंचायत (आम) निर्वाचन से जुड़े मतदान कर्मी भाग ले सकते हैं और मतदान कार्य से संबंधित उनके मन में किसी प्रकार की कोई संशय है तो उसे दूर कर सकते हैं।मास्टर ट्रेनर के द्वारा मतदान कर्मियों को ट्रेनिंग दी जाएगी।हैंड्स ऑन ट्रेनिंग हेतु सभी प्रखंडों में मास्टर ट्रेनर की प्रतिनियुक्ति की गयी है।

### नाबार्ड द्वारा संचालित झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक के सोलर युक्त बैंक ऑन व्हील्स को उपायुक्त ने दिखाई हरी झंडी,सुदूरवर्ती ग्रामीण ग्राहको को होगी सुविधा

**हज़ारीबाग।** उपायुक्त नैंसी सहाय ने नाबार्ड द्वारा संचालित झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक के सोलर युक्त बैंक ऑन व्हील्स को समाहरणालय परिसर से हरी झंडी दिखाई। उपायुक्त ने कहा इस चलंत बैंक की मदद से ग्रामीण क्षेत्रों के ग्राहकों को बैंक संबंधी जरूरतों को आसानी से दूर किया जा सकेगा। मौके पर मौजूद क्षेत्रीय प्रबंधक श्रीकांत कटारे ने बताया कि इस वाहन के जरिये ग्राहकों को कई प्रकार की सुविधा दी जाएगी। इसके अंतर्गत पासबुक, एटीएम, इंटरनेट बैंकिए, पीओएस, डेबिट कार्ट सहित अन्य सुविधा शामिल है। उन्होंने इस संबंध में बताया कि इस बैंक ऑन व्हील्स से ग्राहकों को काफी फायदा होगा। वहीं इस सुपर डिलक्स वाहन पूरी तरह से वातानुकूलित है। साथ ही इसमें लगे सोलर ऊर्जा की मदद से इसके अंदर रखें उपकरणों को चलाया जा सकेंगा। बता दें वर्तमान मे चार चलंत वाहन हजारीबाग समेत रामगढ़,चतरा,कोडरमा जिलों के सुदूरवर्ती क्षेत्रो के लिए संचालित रहेंगे। गौरतलब है कि कुछ दिन पूर्व नाबार्ड के चेयरमैन डॉ जीआर चिंतला ने झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक को चलंत वाहन बैंक सौंपा था।

### मुखिया प्रत्याशी ज्योति कुमारी के समर्थन में चलाया जनसंपर्क अभियान

**बरकट्ठा।** त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर प्रचार प्रसार के साथ जनसंपर्क अभियान चलाया जा रहा है।बरकट्ठा उत्तरी पंचायत से मुखिया प्रत्याशी ज्योति कुमारी के पक्ष में समर्थकों ने जनसंपर्क किया।जनसंपर्क अभियान में समाजसेवी दर्शन सोनी, सौरभ कुमार,डब्लू श्रीवास्तव,दीपक राणा,रोहित कुमार,मोहम्मद कैफ,अनु पांडेय,सागर गुप्ता, रौशन कुमार,बिट्टू कुमार,सुखदेव कुमार,मोहम्मद शमीम,मुकेश गुप्ता, पप्पू गुप्ता, मुकेश मण्डल,सूरज सोनी आदि लोग शामिल थे।

### मुखिया प्रत्याशी असमत अली के पक्ष में चलाया गया जनसंपर्क अभियान

- **जनता के समर्थन से होगा परिवर्तन:असमत अली**

**बरकट्ठा।** प्रखण्ड में इन दिनों पंचायत चुनाव को लेकर हर प्रत्याशी ने अपनी ताकत झोंक दी है।शिलाडीह पंचायत के मुखिया दावेदार असमत अली ने समर्थकों संग सघन दौरा कर जनसंपर्क अभियान चलाया।उन्होंने के परिवर्तन की लहर चल रही है।जनता के समर्थन से इस बार पंचायत में सकारात्मक परिवर्तन होगा।उन्होंने बाराडीह, पकरियां,तेतरिया,चामुदोहर ,तुर्कडीहा का दौरा कर लोगो से मिले।मौके पर दर्ज़नो समर्थक शामिल थे।

### अंतरजिला बाइक चोर गिरोह का पर्दाफाश,तीन बाइक चोर चढ़े पुलिस के हत्थे

**धनबाद।** धनबाद की बाघमारा पुलिस ने अंतरजिला बाइक चोर गिरोह के तीन सदस्यों को चोरी के बाइक सहित गिरफ्तार किया है ।इस बात की जानकारी बाघमारा एसडीपीओ निशा मुर्मू ने अनुमंडल कार्यालय में प्रेस वार्ता कर दी। बाघमारा डीएसपी निशा मुर्मु ने बताया कि बाघमारा थाना क्षेत्र के डुमरा में गत 5 मई को दो बाइक चोरी होने की शिकायत मिली थी।बाइक चोरी की इस घटना के बाद बाघमारा थाना प्रभारी सूबेदार कुमार यादव के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई थी।गठित टीम ने धनबाद जिले के अलावा बोकारो जिले में भी कई जगहों पर छापेमारी की।छापेमारी के दौरान चोरी के तीन बाइक की बरामदगी और बाइक चोरी में संलिप्त तीन अपराधियों की गिरफ्तारी हुई ।बरामद बाइकों में से दो बाइक की पहचान डुमरा से चोरी हुई बाइक के रूप में हुई है जबकि तीसरे बरामद बाइक के की जानकारी पुलिस जुटाने में लगी है ।गिरफ्तार अपराधियों में से सौरभ यादव और विक्रम कुमार जो धनबाद के हरिहरपुर थाना क्षेत्र के हैं,दोनों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।जबकि तीसरा आमिर हुसैन जो बोकारो के कथारा थाना क्षेत्र का बताया जाता है।इसका इन तीनों बाइक चोरी सहित पूर्व में भी कई आपराधिक मामलों में नाम रहा है।फिलहाल तीनों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।साथ ही गिरोह के अन्य सदस्यों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है ।

## लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुट जाएं कार्यकर्ता

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

**दुमका।** लोकसभा एवं विधानसभा चुनाव के लिए पन्ना प्रमुख एवं बूथ अध्यक्ष बनाए जाने को लेकर सोमवार को कड़बिंधा में भारतीय जनता पार्टी के ठाड़ीहाट मंडल के कार्यकर्ताओं की एक बैठक प्रखंड अध्यक्ष निरंजन मंडल की अध्यक्षता में की। बैठक में उपस्थित जिला अध्यक्ष परितोष सोरेन ने उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं से अभी से लोकसभा एवं विधानसभा की तैयारी में जुट जाने का निर्देश दिया। कार्यकर्ताओं को बताया कि चुनाव के लिए पन्ना प्रमुख एवं सभी बूथों में अध्यक्ष बनाया जाएगा। इसके लिए प्रखंड कार्यसमिति अभी से इस पर काम करना प्रारंभ कर दें। कार्यकर्ता केंद्र सरकार द्वारा चलाए जा रहे जन कल्याणकारी योजनाओं के बारे में लोगों को जानकारी दें। ताकि चुनाव के समय उन्हें किसी प्रकार की कठिनाई ना हो। वहीं राज्य सरकार द्वारा चुनाव के दौरान किए गए वायदे को पूरा नहीं किए जाने के कारण हो रही कठिनाइयों को भी जनता को बताने का निर्देश दिया। इस दौरान जिला उपाध्यक्ष मनोज पांडे, जिला महामंत्री विवेकानंद राय,डिप्टी मांझी, केदार साह, दिलीप भंडारी, दिलीप सेन, सुनील सोरेन, नलिन मंडल, नकुल मंडल, कामदेव मंडल, रोहित मंडल, प्रियस मंडल, प्रेमलाल मड़ैया, महेंद्र मंडल, जीतू राय, सपन सेन, सिंटू सेन समेत अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

## एस पी ने किया एसएसबी एवं पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

**दुमका।** एसपी अंबर लकड़ा ने प्रथम चरण के पंचायत चुनाव को लेकर एसएसबी एवं पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक की। ज्ञात हो कि दुमका में प्रथम चरण का त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव वैसे प्रखंडों में है जो नक्सल प्रभावित है।दुमका पुलिस प्रथम चरण में होने वाले चुनाव को लेकर लगातार तैयारी कर रही है।दुमका के शिकारीपाड़ा गोपीकांदर, काठीकुंड और रामगढ़ चार प्रखंडों में चुनाव होने है, जिसको देखते हुए दुमका पुलिस लगातार बैठक कर चुनाव से संबंधित रणनीति तैयार कर रही है। बैठक में एस पी के साथ एसएसबी के कमांडर ने प्रथम चरण में नक्सल प्रभावित क्षेत्र में होने वाले त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर सुरक्षा और साफ सुथरा मतदान कराने को लेकर व्यवस्थाओं पर चर्चा की।एसपी ने कहा कि दुमका जिला में होने वाले प्रथम चरण के मतदान को लेकर पुलिस की ओर से तैयारी की जा रही है। दुमका जिला नक्सल प्रभावित जिला होने के कारण मुख्यालय से भी फोर्सेस आ रही है।इसके साथ ही एसाईआरबी और एसएसबी के जवान भी चुनाव में सुरक्षा के लिए लगाए जाएंगे।

## त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव- 22 के प्रथम चरण के मतदान को लेकर उपायुक्त ने की विभिन्न कोषांगो के वरीय पदाधिकारियों एवं आरओ/ एआरओ साथ समीक्षा बैठक

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

**हज़ारीबाग।** जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त नैंसी सहाय की अध्यक्षता में सोमवार को त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव 2022 की तैयारी से संबंधित समीक्षात्मक बैठक की गई।समाहरणालय के सभागार में आयोजित बैठक में हजारीबाग जिले मे होने वाले प्रथम चरण के मतदान के लिए प्रखंडवार प्रतिनियुक्त बीडीओ/सीओ, मतदान केंद्र स्थल परिवर्तन, शैडो एरिया बूथ का कम्युनिकेशन प्लान,अन्य सभी बूथों का कम्युनिकेशन प्लान, सभी बूथों में मूलभूत सुविधाएं मुहैया कराने संबंधी प्रस्ताव, संवेदनशील बूथ,अति संवेदनशील बूथ का प्रस्ताव समेत अन्य विषयों की समीक्षा की गई।

उपायुक्त ने सभी बीडीओ को इस संदर्भ में आवशयक करवाई पूरा करने का निर्देश देते हुए कहा कि सभी मतदान केंद्रों का एक बार भौतिक निरीक्षण करना आवशयक है ताकि ससमय सभी बिंदुओं पर आवशयक निर्णय लिया जा सके। उन्होंने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी को मतदान केंद्रों का भौतिक सत्यापन करते हुए अति आवशयक पाए जाने पर ही स्थल परिवर्तन का प्रस्तावना देने की बात कही।
उन्होंने कहा कि अगले कुछ दिनों में बीडीओ स्वयं आश्वस्त हो जाएं की सभी मतदान केंद्रों पर आवशयक मूलभूत सुविधाएं मुहैया कराई जा चुकी हैं।
उन्होंने विशेष रूप से कहा कि मतदान कार्य में लगाए गए कर्मियों और मतदाताओं को किसी प्रकार की समस्या न हो। उन्होंने मतदान केंद्रों पर पेयजल की सुविधा मुहैया कराने का निर्देश दिया।
बैठक में उपायुक्त ने बताया कि पोलिंग पार्टी एवं मतदान कर्मियों को मतदान संपन्न कराने हेतु आवशयक सामग्रियों के वितरण के लिए बिनोवा भावे विश्वविद्यालय एवं सेंट कोलंबस कॉलेज में डिस्पैच सेंटर बनाए गए हैं। बैठक के दौरान मतदान कार्य के लिए वाहन की उपलब्धता,नामांकन के लिए विधि व्यवस्थाएं,मत पेटिका कोषांग का फिजिकल वेरिफिकेशन, स्ट्रांग रूम बनाए जाने, क्लस्टर निर्माण और क्लस्टर में सभी मूलभूत सुविधाएं मुहैया कराने एवं मतदान के दिन प्रखंड मुख्यालय में अतिरिक्त बैलेट बॉक्स रखने समेत अन्य विषयों पर भी चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि सभी सेक्टर मैजिस्ट्रेट मतदान के दिन भ्रमणशील अवस्था में रहेंगे। गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए सभी बूथों पर स्वास्थ्य विभाग की ओर से आवशयक दवाईयों एवं ओआरएस के पैकेट सहित एम्बुलेंस को भी क्रियाशील रखने का निर्देश दिया।
डीसी ने कहा कि प्रखंड विकास पदाधिकारी स्वयं भी निश्चित तौर पर उनके क्षेत्र अंतर्गत आने वाले सभी मतदान केंद्रों का भौतिक सत्यापन अवशय करें और उसके आधार पर प्राप्त परेशानियों व शिकायतों के निवारण जल्द से जल्द करना सुनिश्चित करें।
बैठक में उपायुक्त के अलावे एसडीओ बरही पूनम कुजुर,कोषांगो के वरीय पदाधिकारी,बीडीओ/सीओ उपस्थित थे।

## उपायुक्त छवि रंजन और एसएसपी सुरेन्द्र झा की संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस...

- **प्रथम चरण के मतदान की दी विस्तृत जानकारी**
- **प्रथम चरण में कुल 888 प्रत्याशी चुनावी मैदान में**
- **प्रथम चरण में 12-15 मई 2022 तक ड्राई डे**
- **175 लाइसेंसी हथियार कराए गये जमा**

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

**रांची।** त्रिस्तरीय पंचायत (आम) निर्वाचन 2022 हेतु प्रथम चरण के मतदान को लेकर आज दिनांक 09 मई 2022 को उपायुक्त रांची श्री छवि रंजन एवं वरीय पुलिस अधीक्षक श्री सुरेंद्र झा ने संयुक्त रूप से प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। समाहरणालय ब्लॉक ए स्थित उपायुक्त सभागार में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में उपविकास आयुक्त रांची श्री विशाल सागर, जिला पंचायती राज पदाधिकारी श्री वीरेंद्र चौबे और जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ प्रभात शंकर उपस्थित थे।

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त रांची श्री छवि रंजन ने प्रथम चरण के मतदान के लिए की गई तैयारियों की विस्तृत जानकारी दी।

- **जिले में कुल 3631 मतदान केंद्र**

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त रांची श्री छवि रंजन ने बताया कि त्रिस्तरीय पंचायत (आम) निर्वाचन 2022 हेतु जिले में कुल 3631 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। प्रथम चरण में 648 द्वितीय चरण में 1013, तृतीय चरण में 932 और चतुर्थ चरण में 1038 मतदान केंद्र हैं। प्रथम चरण में कुल मतदान भवनों की संख्या 432 है। जबकि सैडो मतदान केन्द्रों की संख्या 27 है।

- **1391645 मतदाता मताधिकार का करेंगे इस्तेमाल**

उपायुक्त श्री छवि रंजन ने बताया कि त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव 2022 में सभी चार चरणों में कुल 1391645 मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे। प्रथम चरण में कुल 243235, दूसरे चरण में 394214, तृतीय चरण में 355776 और चतुर्थ चरण में 398420 मतदाता वोट डालेंगे। प्रथम चरण में 2592 मतदान कर्मी और 5333 सुरक्षाकर्मी लगाए जाएंगे।

- **प्रथम चरण में कुल 888 प्रत्याशी चुनावी मैदान में**

प्रेस कॉन्फ्रेंस में उपायुक्त श्री छवि रंजन ने बताया कि त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव 2022 में प्रथम चरण के में कुल 888 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। प्रथम चरण के लिए कुल 1398 अभ्यर्थियों ने नामांकन दाखिल किया था। जिनमें 54 अभ्यर्थियों का नामांकन अस्वीकृत किया गया जबकि 22 अभ्यर्थियों ने अपने नाम वापस लिये। प्रथम चरण में कुल 433 प्रत्याशियों का निर्विरोध निर्वाचन किया गया है।

- **किस पद के लिए कितने प्रत्याशी**

प्रथम चरण के मतदान में मुखिया पद के लिए 251, वार्ड सदस्य के लिए 423, पंचायत समिति सदस्य के लिए 171 और जिला परिषद सदस्य के लिए 43 प्रत्याशी चुनाव मैदान में है।
प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त द्वारा मतपत्र के रंगों की भी जानकारी दी गई। उपायुक्त द्वारा बताया गया कि वार्ड सदस्य के लिए सफेद, मुखिया के लिए गुलाबी, पंचायत समिति सदस्य के लिए हरा और जिला परिषद सदस्य के लिए पीले रंग कई मतपत्र का उपयोग किया जाएगा।

- **12-15 मई 2022 तक ड्राई डे**

पंचायत चुनाव के पहले चरण के मतदान को लेकर रांची जिला के सभी 18 प्रखंडों में 4 दिनों तक ड्राई डे रहेगा। इस संबंध में उपायुक्त श्री छवि रंजन ने कहा कि चुनाव को लेकर 12 मई 2022 के अपराह्न 03:00 बजे से लेकर 15 मई 2022 के पूर्वाह्न 07:00 बजे तक ड्राई डे रहेगा। इस दौरान जहां-जहां चुनाव आचार संहिता लागू है उन क्षेत्रों में क्षेत्रों में शराब की बिक्री नहीं होगी।

- **175 लाइसेंसी हथियार कराए गये जमा**

प्रेस कॉन्फ्रेंस में वरीय पुलिस अधीक्षक श्री सुरेन्द्र झा ने बाताया कि चुनाव के दौरान लाइसेंसी हथियार भी जमा कराये जा रहे हैं। उन्होंनें बताया कि अब तक 175 लाइसेंसी हथियार जमा कराये गये हैं। विभिन्न मामलों को लेकर 1000 लोगों को नोटिस किया गया है, 11 स्थानों पर विशेष चेकिंग अभियान चलाई जा रही है और नक्सल प्रभावित इलाकों में मतदान के दौरान क्यूआरटी और विशेष बल को भी तैनात किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में 4 टियर सिक्योरिटी सिस्टम को लागू किया जाएगा।

## क्षणिकाएँ

1.
वो,
अपने दायित्वों का निर्वहन
बड़े ईमानदारी से,
हर वक्त करते है;
करोड़ों की
काली कमाई से,
घर भरते हैं.

2.
वो
जन- आकांक्षाओं को,
यथार्थ कर दिखाने की
कसमें खाते है;
हकीकत में,
हर योजना में
भ्रष्टाचार की गंगा बहाते हैं.

3.
वो,
मानकों की रक्षा हेतु,
गाँव - शहर सभी जगह,
प्रशासनिक व्यवस्था को,
तंदुरुस्त कर चलते है,
इस तरह कि,
लेकर घूस गुनहगारो की,
मामला सब रफ़ा- दफ़ा करते हैं.

डॉ विनोद कुमार शर्मा, दुमका.

## संपादकीय

# ताश के महल न हों घर

**गुड़गांव** की शिंटेल पैराडिसो सोसाइटी में हुए दुर्भाग्यपूर्ण हादसे के मद्देनजर हरियाणा सरकार ने अब आदेश दिया है कि उन सभी इमारतों की सुरक्षा जांच कराई जाए, जिनके स्ट्रक्चर को लेकर शिकायतें हैं। कहा गया है कि संबंधित रेजिडेंट वेलफेयर असोसिएशंस और टाउन एंड कंट्री प्लानिंग डिपार्टमेंट (डीटीसीपी) के जरिए ऐसी इमारतों की पहचान कराई जाएगी और फिर उनका स्ट्रक्चरल ऑडिट कराया जाएगा। यह कदम अपरिहार्य हो गया था। इसके जरिए सरकार ने अपने न्यूनतम दायित्वों को पूरा करने की दिशा में एक जरूरी पहल की है। जिस तरह से गुड़गांव की उस सोसाइटी की बिल्डिंग में छठी मंजिल से लेकर पहली मंजिल तक की छतें ढहती चली गईं, वह हैरतनाक थी। इस घटना से प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित परिवारों की तो बुरी हालत है ही, इस सोसाइटी में रहने वालों के लिए अपने घरों में चैन की नींद सोना मुश्किल हो गया है। चूंकि कई अन्य टावरों में भी बिल्डिंग की कंस्ट्रक्शन क्वॉलिटी को लेकर शिकायतों की बात कही जा रही है, इसलिए स्वाभाविक ही सबके मन में आशंकाएं घर कर गई हैं। ध्यान रहे, यह दूरदराज के इलाके में किसी नामालूम से कंस्ट्रक्शन का मामला नहीं है। यह मिलेनियम सिटी के रूप में जाने जाने वाले देश के एक प्रमुख शहर की एक पॉश सोसाइटी का मामला है, जिसके एक-एक फ्लैट की कीमत करोड़ों में बताई जाती है। ऐसी सोसाइटी की कोई बिल्डिंग अचानक इस तरह ढहती चली जाए तो न केवल संबंधित बिल्डर पर बल्कि बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन की क्वॉलिटी पर नजर रखने वाले पूरे तंत्र की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े हो जाते हैं। बिल्डरों द्वारा लोकल अथॉरिटीज की मिलीभगत से नियम-कानून व प्रक्रियाओं के साथ छेड़छाड़ की शिकायतें आम रही हैं। ऐसे में बरसों तक चलने वाली ईएमआई का बोझ उठाकर इन हाउसिंग सोसाइटी में अपने लिए एक घर बुक करने की हसरत पालने वाली बड़ी आबादी के मन में भी यह सवाल खड़ा हो गया है कि वह किस भरोसे पर ऐसा करे। ऐसे सभी लोगों की नजरें गुड़गांव के इस मामले पर टिकी हुई हैं। राज्य सरकार की जिम्मेदारी है कि न केवल इस घटना से प्रभावित सभी लोगों को तत्काल राहत देने का इंतजाम करे बल्कि उस दायरे में आने वाली सभी बिल्डिंगों की अच्छी तरह से जांच करवाकर और जहां जरूरत हो वहां मरम्मत और पुनर्निर्माण करवा कर रहने वालों की दुश्चिंताएं दूर करे। इसके साथ ही इस घटना के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान कराने के लिए ऐसी एक उच्चस्तरीय और विश्वसनीय जांच तत्काल शुरू होनी चाहिए जिसके दायरे में संबंधित विभागों के अधिकारी भी हों। सरकारी अधिकारियों की मिलीभगत या लापरवाही के बगैर ऐसी नौबत नहीं आ सकती। इस घटना को एक मिसाल बनाकर ही हम आगे के लिए सबक ले सकते हैं और अपने देश में शहरी विकास की प्रक्रिया को विश्वसनीय ढंग से आगे बढ़ा सकते हैं।

> जिस तरह से गुड़गांव की उस सोसाइटी की बिल्डिंग में छठी मंजिल से लेकर पहली मंजिल तक की छतें ढहती चली गईं, वह हैरतनाक थी। इस घटना से प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित परिवारों की तो बुरी हालत है ही, इस सोसाइटी में रहने वालों के लिए अपने घरों में चैन की नींद सोना मुश्किल हो गया है।

## कुछ अलग

# प्रलय से मिली थी धरती को पहली सांस

**आज** पृथ्वी के वायुमंडल में 21 प्रतिशत हिस्सा ऑक्सिजन का है। लेकिन हमारे ग्रह को सांस लेने योग्य अवस्था में पहुंचने में काफी समय लगा। करीब 4.6 अरब वर्ष पहले पृथ्वी के इर्दगिर्द गैसों की जो मोटी परत थी, वह ज्वालामुखियों से निकलने वाली मीथेन, हाइड्रोजन सल्फाइड और कार्बन डाइऑक्साइड जैसी गैसों से अलग नहीं थी। उस वक्त पृथ्वी बहुत ही उग्र दौर से गुजर रही थी। एक तरफ वह उड़ने वाले पदार्थ उगल रही थी तो दूसरी तरफ उसे खुद सौरमंडल से लगातार ठंडी चट्टानों की बमबारी झेलनी पड़ रही थी। इस बमबारी से पृथ्वी को नए-नए पदार्थ मिलते रहे। बड़ी टक्करों से कभी-कभी सतह गर्म होती रही, जिससे नमी भाप बन कर उड़ गई और वायुमंडल गर्म बना रहा। दूसरी तरफ, आसमान से नियमित रूप से गिरने वाले खनिजों ने अमोनिया के रूप में समुचित मात्रा में नाइट्रोजन उपलब्ध कराई। लेकिन मूल प्रश्न यह है कि पृथ्वी के वायुमंडल में ऑक्सिजन कब प्रकट हुई इसके बारे में हम अभी बहुत सी चीजें नहीं जानते। हम यह भी यकीनी तौर पर नहीं बता सकते कि प्रारंभिक खनिज वर्षा के दौरान कितनी नाइट्रोजन पृथ्वी पर पहुंची। लेकिन करीब 4.3 अरब वर्ष पहले हमारे ग्रह की नारकीय परिस्थितियां शांत होने लगीं। ग्रह ठंडा होने लगा और अंतरिक्ष से गिरने वाली शिलाओं में कमी आई। पृथ्वी पर बने जलाशय भूरासायनिक क्रियाएं आरंभ करने के लिए पर्याप्त थे। ये क्रियाएं एक तरह से जैव रासायनिक क्रियाओं की शुरुआत थी। इन क्रियाओं के चलते नाइट्रोजन और कार्बन डाइऑक्साइड की वजह से पृथ्वी का वायुमंडल गाढ़ा होने लगा। इस तरह पृथ्वी पहले एक अरब वर्ष तक ऑक्सिजनमुक्त ही रही। लाखों वर्ष तक पृथ्वी के समुद्रों से ऑक्सिजन के बुलबुले निकलते रहे, लेकिन पृथ्वी के वायुमंडल में बहुत कम परिवर्तन हुआ। ग्रह पर फोटोसिंथेसिस की प्रक्रिया शुरू होने पर भी वायुमंडल में ऑक्सिजन का लेवल नहीं बढ़ा। लेकिन करीब 2.4 अरब वर्ष पहले ऑक्सिजन का लेवल बहुत बढ़ गया। ऑक्सिजन वृद्धि की इस घटना को 'ग्रेट ऑक्सीडेशन इवेंट' (जीओई) भी कहा जाता है। जीओई को 'ऑक्सिजन प्रलय' भी कहा जाता है। भौगोलिक, आइसोटोपिक और रासायनिक प्रमाणों से पता चलता है कि इस इवेंट के दौरान जैविक रूप से उत्पादित मॉलिक्युलर ऑक्सिजन वायुमंडल में जमा होने लगी। जो वायुमंडल ऑक्सिजन से मुक्त था उसमें ऑक्सिजन की भरमार हो गई। वायुमंडल में ऑक्सिजन के स्तर में वृद्धि से उन जीवों पर असर पड़ा जिन्हे जिंदा रहने के लिए इस गैस की जरूरत नहीं थी। ये जीव इस 'विषाक्त' ऑक्सिजन को बर्दाश्त नहीं कर सके।

> लाखों वर्ष तक पृथ्वी के समुद्रों से ऑक्सिजन के बुलबुले निकलते रहे, लेकिन पृथ्वी के वायुमंडल में बहुत कम परिवर्तन हुआ। ग्रह पर फोटोसिंथेसिस की प्रक्रिया शुरू होने पर भी वायुमंडल में ऑक्सिजन का लेवल नहीं बढ़ा।

## विचार

युद्ध की विभीषिका का सामना करने वाले देशों में जब बच्चों, बुज़ुर्गों व लाचार महिलाओं की चीत्कार सुनाई देती है

# अविश्वास, वर्चस्व व विस्तारवाद है हर युद्ध का कारण

**आखिरकार** पिछले कई महीनों से रूस व यूक्रेन के मध्य चल रही युद्ध की दुर्भाग्यपूर्ण आशंका हक़ीक़त में बदल ही गयी। 1922 से लेकर 1991 तक यूनियन ऑफ़ सोवियत सोशलिस्ट रिपब्लिक अर्थात के रूप में एक साथ रहने वाले रूस व यूक्रेन का एक दूसरे देशों से ऐसा विश्वास उठ जायेगा कि दोनों देश युद्ध के उस मोड़ पर जा खड़े होंगे जहाँ से तीसरे विश्व युद्ध की चर्चा होने लगेगी, यह सोचा भी नहीं जा सकता था। परन्तु आज यह दुर्भाग्यपूर्ण परिस्थिति दुनिया के सामने है। अक्सर ऐसा देखा गया है कि एक देश अथवा संघ के रूप में कभी साथ रहे ऐसे देश जब कभी भौगोलिक दृष्टि से अलग होते हैं तो किसी न किसी कारण उन्हीं देशों में परस्पर ऐसी रंजिश हो जाती है कि बात युद्ध की विभीषिका तक आ पहुँचती है। युद्ध नामक इस 'सामूहिक नरसंहार' को भी समय समय पर अलग अलग नाम दिये जाते हैं। कभी यह तेल के लिये होने वाली लड़ाई बताई जाती है तो कभी इसे हथियार उत्पादक देशों द्वारा अपने हथियारों की बिक्री के लिये रचा गया चक्रव्यूह बताया जाता है। कोई इसे ईसाई -मुस्लिम के बीच छिड़ा सभ्यता का संघर्ष परिभाषित करता है तो कोई इसे रंग भेद की संज्ञा देता है। यहाँ तक कि कुछ लोग अभी से यह भी भविष्यवाणी करने लगे हैं कि भविष्य में पानी के लिये भी विश्व युद्ध हो सकता है। युद्ध की विभीषिका का सामना करने वाले देशों में जब बच्चों, बुज़ुर्गों व लाचार महिलाओं की चीत्कार सुनाई देती है। उस समय ज़ेहन यह सोचने के लिये मजबूर हो जाता है कि संयुक्त राष्ट्र में बैठे एक से बढ़कर एक बुद्धिजीवी, दुनिया का बड़े से बड़े 'थिंक' टैंक संगठन, दुनिया के देशों में शासन करने वाले तथाकथित रणनीतिकार व राजनीतिज्ञ, कूटनीज्ञ गोया स्वयं को दुनिया का सबसे संभ्रांत व अभिजात वर्ग समझने वाले 'सफ़ेद पोश' लोगों के पास किन्हीं दो देशों के बीच पैदा होने वाली किसी भी समस्या के समाधान के लिये आख़िर युद्ध ही एकमात्र रास्ता क्यों बचता है? और यदि युद्ध ही किसी विवाद का एकमात्र हल है ऐसे में युद्ध में मारे जाने वाले लोग जिनकी युद्ध के लिये न तो सहमति होती है, न ही वे युद्ध में हिस्सा ले रहे होते हैं,ऐसे साधारण नागरिकों को बम बारी का शिकार बनाना, पूरा देश तबाह कर देना,बसे-बसाये आबाद शहरों को खंडहर में तब्दील कर देना, इंसानों की लाशों को चील कौवों का शिकार बनने के लिये छोड़ देना, क्या यही सब डरावनी परिस्थितियां दुनिया के अभिजात्य वर्ग के हाथों में होने का परिणाम हैं ? दुनिया के कई देश तो वहां के 'सनकी' शासकों की ज़िद व उनकी हठधर्मिता की वजह से बर्बाद हो चुके हैं। इसी तथाकथित 'अभिजात' वर्ग की एक और 'वैश्विक स्तर' की चतुराई देखिये। जिन हथियारों से बेगुनाह निहत्थों को मारा जाता है वह हथियार भी इन्हीं निरीह लोगों के टैक्स के पैसों से बनाये या ख़रीदे जाते हैं। परन्तु दुनिया के चंद गिने चुने लोग इन्हीं हथियारों से जब और जहाँ चाहें लाखों करोड़ों लोगों को मारने का फ़ैसला कर बैठते हैं। जनता के पैसों से हथियार ही नहीं बनाया या ख़रीदा जाता बल्कि युद्ध थोपने या युद्ध का निर्णय लेने वाले इस राजनैतिक व प्रशासनिक रणनीतिकारों का शाही ख़र्च, इनका सारा ऐशो-आराम, सभी सुविधायें भी जनता के टैक्स के पैसों से ही पूरी की जाती हैं ? प्राय: पूरी दुनिया में करदाताओं द्वारा टैक्स अपने अपने देश के विकास व प्रगति के लिये दिया जाता है। परन्तु अनेक देश इन्हीं पैसों का इस्तेमाल अपने देश के रक्षा बजट पर करते हैं। यदि कोई देश परमाणु संपन्न देश बन गया तो वह अपनी उसी 'नरसंहारक' उपलब्धि पर इतराता फिरता है। वह अपने प्रतिस्पर्धी अथवा दुश्मन देशों को 'परमाणु' बम की गीदड़ भपकी देता रहता है। ताज़ातरीन रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर जो थ्योरी बताई जा रही है उसके अनुसार यूक्रेन को भरोसा था कि पश्चिमी देश विशेषकर अमेरिका 'नाटो' सदस्य देशों के साथ मिलकर उसकी मदद करेंगे। नेटो के महासचिव जेन्स स्टोलटेनबर्ग ने यह कहा भी है कि रूस ने यूरोप में शांति भंग कर दी है। परन्तु फ़िलहाल अमेरिका या नाटो की ओर से किसी तरह की सहायता यूक्रेन को नहीं पहुंची है। उल्टे रूसी राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन ने ही अमेरिका सहित नाटो देशों को चेतावनी दे डाली है कि वे दूर रहें अन्यथा परिणाम प्रलयकारी होंगे। नतीजतन यूक्रेन जो कि हर लिहाज़ से रूस के मुक़ाबले एक कमज़ोर देश है, को अकेले ही युद्ध की त्रासदी झेलना पड़ रही है। यूक्रेन के हज़ारों लोग अपनी जान बचाने के लिए पोलैंड, रोमानिया, हंगरी और स्लोवाकिया जैसे पड़ोसी देशों की ओर पनाह लेने के लिये जा रहे हैं। इस बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लोदीमीर ज़ेलेंस्की इस बात को लेकर भयभीत हैं कि राजधानी कीव पर रूस भीषण हमला कर सकता है। यूक्रेन में लोग पश्चिमी देशों की मदद की आस लगाये बैठे हैं। राजधानी कीव में हथियारों की दुकानों में बंदूक़, गोलियां व अन्य शस्त्र समाप्त हो चुके हैं। इन हालात में 1971 के उस भारत पाक के युद्ध की याद आती है जब पाकिस्तान अमेरिका द्वारा भेजे गये सातवें युद्ध पोत का इंतेज़ार ही करता रह गया और भारत की मदद से पाकिस्तान दो हिस्सों में बंट गया। गोया कोई विकसित देश किसी दूसरे देश की लड़ाई अव्वल तो लड़ता नहीं और यदि युद्ध में कूदता भी है तो अपना हित व स्वार्थ देखकर। वैसे भी वियतनाम से लेकर इराक़, अफगानिस्तान जैसे कई देशों में पूर्व में किये गये अमेरिकी सैन्य हस्तक्षेप व उनके परिणाम उसे बहुत कुछ सोचने के लिये मजबूर करते हैं। ज़रा सोचिये कि यदि दुनिया का शासक वर्ग वास्तव में ज़िम्मेदार, संभ्रांत, अभिजात व बुद्धिजीवी वर्ग के रूप में अपने कर्तव्यों का निर्वाहन करे तो यह दुनिया कितनी सुंदर, प्रगतिशील, विकसित, ख़ुशहाल व संपन्न होगी। ऐसे सुन्दर विश्व के निर्माण के लिये दुनिया के शासकों को अपनी उन पारंपरिक सोच का त्याग करना होगा जो आमतौर पर युद्ध का कारण बनती हैं। और वह सोच है अविश्वास,वर्चस्व तथा विस्तारवाद की। आज अधिकांश पड़ोसी देश एक दूसरे पर संदेह करते हैं। विस्तारवाद की नीति पर चलते हुये अनेक देश एक दूसरे की ज़मीन हड़पने की जुगत में रहते हैं। कुछ देश कभी अपना क्षेत्रीय तो कभी वैश्विक वर्चस्व बनाने के लिये युद्ध लड़ते हैं जैसे ताज़ातरीन रूस-यूक्रेन युद्ध जोकि रूस द्वारा यूक्रेन को बहाना बनाकर वैश्विक वर्चस्व के लिये लड़ा जा रहा है।

तनवीर जाफ़री

> युद्ध नामक इस 'सामूहिक नरसंहार' को भी समय समय पर अलग अलग नाम दिये जाते हैं। कभी यह तेल के लिये होने वाली लड़ाई बताई जाती है तो कभी इसे हथियार उत्पादक देशों द्वारा अपने हथियारों की बिक्री के लिये रचा गया चक्रव्यूह बताया जाता है। कोई इसे ईसाई -मुस्लिम के बीच छिड़ा सभ्यता का संघर्ष परिभाषित करता है तो कोई इसे रंग भेद की संज्ञा देता है।

## ब्लॉग | मध्ययुग में स्लाव संप्रदाय इन देशों के भौगोलिक क्षेत्र में फैला हुआ था

# असरात आशंकाएं और संभावनाएं

**रूस** और यूक्रेन दोनों जुड़वा देश रहे हैं। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद यूक्रेन सोवियत संघ में शामिल हुआ। सन् 1990 में रूस से अलग होने के बाद से ही अमेरिका यूक्रेन सहित सोवियत संघ से अलग हुए देशों में अपनी कठपुतली सरकारें बिठाने का षड्यंत्र करता रहा है। इस क्षेत्र में अमेरिका की बढ़ती दखलंदाजी को रूस अपने लिए खतरा मानता है। पश्चिम का पूंजीवादी मीडिया रूस को आक्रमणकारी और साम्राज्यवादी देश प्रचारित कर रहा है। इस बीच नाटो की भूमिका पर कोई चर्चा नहीं है। ऐसा क्यों जोशी अधिकारी इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल स्टडीज द्वारा रूस और यूक्रेन के बीच विवाद- असरात, आशंकाएं और संभावनाएं विषय पर आयोजित एक वेबिनार में विषय विशेषज्ञ के रूप में बोलते हुए जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय से सेवानिवृत्त प्रोफेसर डॉ अजय पटनायक बताते हैं- अतीत में रूस और यूक्रेन दोनों जुड़वा देश रहे हैं। रूस, यूक्रेन, बेलारूस का इतिहास और संस्कृति समान है। मध्ययुग में स्लाव संप्रदाय इन देशों के भौगोलिक क्षेत्र में फैला हुआ था। किसी काल में यूक्रेन पोलैंड का भी भाग रहा है। सन् 1917 की क्रांति के पश्चात अंततोगत्वा वह सोवियत संघ से जुड़ा। सन् 1990 में जब यूक्रेन सोवियत संघ से अलग हुआ तब वह पश्चिम और पूर्व में विभाजित सा हो गया। एक तरफ वह क्षेत्र था जहां कोयले की खदानें थी, औद्योगीकरण था। दूसरी तरफ पूर्वी भाग इतना विकसित नहीं हुआ था। इस अंतर्विरोध का अमेरिका ने लाभ लेने का प्रयास किया। अमेरिका में राष्ट्रपति निक्सन के कार्यकाल में अमेरिकी लेखक ब्रजेंस्की ने सन 1997 में एक पुस्तक लिखी थी ग्रांड चेस बोर्ड। इस किताब में उसने सोवियत संघ से बाहर गए देशों को ग्रांड चेस बोर्ड कहा, जिस पर अमेरिका शतरंज के मोहरो की तरह अपनी चाल चल सकता है। ऊर्जा के क्षेत्र में रूस, ईरान, कजाकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान, अजरबैजान क्षेत्र समृद्ध रहे हैं। अमेरिका ने इन देशों के ऊर्जा क्षेत्रों को अपने नियंत्रण में रखने के लिए हस्तक्षेप करने की योजना बनाई। जैसा कि उसने पश्चिम एशिया में किया था। ब्रिटेन के लेखक ने मेकिंडर जिसे जियोपोलिटिक्स (अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक संबंधों पर भौगोलिक प्रभाव) का संस्थापक माना जाता है। उसने इस क्षेत्र को हॉट लैंड कहा था। उसके अनुसार जो देश भी इस क्षेत्र पर कब्जा करेगा वही दुनिया पर राज करेगा। ब्रजेन्स्की ने भी इसे दोहराया। लेकिन शीत युद्ध के दौरान जियो पॉलिटिक्स पर चर्चा बंद रही। सोवियत संघ से अलग हुए इन देशों के अपने आन्तरिक कारणों के कारण रूस के संबंध निरंतर बिगड़ने लगे थे। जबकि इनमें रूस की कोई भूमिका नहीं थी। सोवियत संघ के समय वहां संघीय ढांचा था जिसमें सभी राष्ट्रीयताओं की अलग भाषा, संस्कृति होने के बावजूद उन्हें स्वायत्तता मिली हुई थी। सोवियत संघ से अलग होने के बाद इन देशों में संकीर्ण राष्ट्रीयता की भावनाएं उभारी गईं। अलग हुए इन देशों में रह रहे अल्पसंख्यक समूहों पर दबाव बनाया गया कि वे बहुसंख्यक समुदाय की पहचान में शामिल हो जाएं। जबकि सोवियत संघ में इन अल्पसंख्यकों को सरंक्षण प्राप्त था। सोवियत संघ से टूटते ही इन देशों में राष्ट्रवादियों ने सत्ता में आने का प्रयास प्रारंभ कर दिया। सन् 2008 में जॉर्जिया में अल्पसंख्यकों को जर्जीयाई राष्ट्रवाद मानने के लिए विवश किया गया। जिसके चलते जॉर्जिया और रूस में युद्ध हुआ। जिसके कारण जॉर्जिया का विभाजन हो गया। आर्मेनिया और अजरबैजान की भी वही स्थिति थी। दोनों में सीमा विवाद हुआ, दोनों देश चाहते थे कि रूस उनका साथ दें। जब आर्मेनिया जीतने लगा तो अजरबैजान ने आरोप लगाया कि वह रूस के कारण जीत रहा है। इन अलग हुए देशों के आपसी विवादों में जो पराजित होता था वह रूस पर आरोप लगाता था कि उसने हमारा साथ नहीं दिया। इस कारण इन देशों के साथ रूस का तनाव सदैव बना रहा। इन परिस्थितियों को अमेरिका ने अपने अनुकूल माना और रूस से नाराज देशों को अपने प्रभाव में लेना प्रारंभ कर दिया। ब्रजेन्स्की ने भी अपनी पुस्तक में लिखा था कि रूस के प्रभाव को कम करने के लिए सोवियत संघ से अलग हुए देशों को यूरोपीय प्रभाव क्षेत्र में शामिल किया जाए। इसी योजना के तहत अमेरिका ने इन देशों के माध्यम से रूस को घेरना प्रारंभ कर दिया, ताकि रूस उलझा रहे और बाहरी दुनिया के विवादों में हस्तक्षेप न कर सके। शीत युद्ध के दौरान सोवियत संघ के खिलाफ अमेरिका के नेतृत्व में नाटो (उत्तर अटलांटिक संधि संगठन) का गठन किया गया। यह एक सैन्य संगठन है। शीत युद्ध की समाप्ति तथा सोवियत संघ के विघटन के बाद भी न केवल नाटो संगठन बना रहा अपितु अमेरिका रूस से अलग हुए देशों को नेटो में शामिल करने का प्रयास करता रहा, ताकि अमेरिका की पहुंच रूस की सीमा तक हो जाए। रूस के पश्चिम की ओर नेटो आ चुका है, वहीं दूसरी ओर यूक्रेन और जर्जिया के माध्यम से वह रूस को घेर रहा है। सैनिक दृष्टि से रूस और चीन अमेरिका के लिए चुनौती बने हुए हैं। इसलिए अमेरिका सेंट्रल एशिया और यूरेशिया में बैठकर इन दोनों देशों पर नियंत्रण करना चाहता है। सन् 2001 से रूस ने सोवियत संघ से अलग हुए इन देशों पर अपना विशेष ध्यान देना प्रारंभ किया, क्योंकि रूस की सुरक्षा केवल रूस की सीमा तक ही सीमित नहीं थी वह उनसे अलग हुए देशों की सीमा तक विस्तारित थी। अलग हुए देशों में जो भी गतिविधियां होती थीं वह सीधा रूस को प्रभावित करती थीं। पुतिन के राष्ट्रपति बनने के बाद रूस का प्रयास रहा कि ये देश रूस और अन्य देशों के मध्य बफर जोन (मध्यवर्त्तीय क्षेत्र) बने रहें और कोई भी देश नाटो में जाने का प्रयास न करे। रूस ने सोवियत संघ से अलग हुए देशों को संगठित किया और कलेक्टिव सिक्योरिटी ट्रीटी ऑर्गेनाइजेशन (सामूहिक सुरक्षा संधि संगठन) से इन्हें जोड़ा। इनमें रूस के अलावा आर्मेनिया, बेलारूस, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजाकिस्तान शामिल हैं।

> अतीत में रूस और यूक्रेन दोनों जुड़वा देश रहे हैं। रूस, यूक्रेन, बेलारूस का इतिहास और संस्कृति समान है। मध्ययुग में स्लाव संप्रदाय इन देशों के भौगोलिक क्षेत्र में फैला हुआ था। किसी काल में यूक्रेन पोलैंड का भी भाग रहा है। सन् 1917 की क्रांति के पश्चात अंततोगत्वा वह सोवियत संघ से जुड़ा।

## भ्रष्टाचार का दीमक हर विभाग में फैला है, गुजरात की एबीजी शिपयार्ड ने बैंकों को लगाया चुना

### पाठक पत्र

**गुजरात** के सुरत मे एबीजी शिपयार्ड कंपनी ने अब तक सबसे बड़ा धोखा किया है। इस धोखाधड़ी में नीरव मोदी और विजय माल्या और मेहुल चौकसी से एक कदम आगे बढ़कर इस कम्पनी ने 28 बैंकों को 22 हजार आठ सौ 42 करोड़ का चूना लगाया है। एसबीआई की छापेमारी में खुलासा हुआ है। एबीजी इंटरनेशनल के खिलाफ कथित रुप से धोखाधड़ी आपराधिकविश्वासघात,आपराधिक साजिश, आपराधिक दुरुपयोग जैसे अपराधों के तहत मुकदमा दर्ज किया है। इस धोखाधड़ी में बैंक के आला अधिकारी भी शामिल है। 28 बैंकों से लगातार शिपयार्ड कम्पनी लोन लेती गई और बैंक अधिकारी उनको देते गए। इतने बैंकों से लोन दिए जा रहे थे तो भी दूसरे बैंकों को खबर तक नही थी। चालाकी से फ्रॉड कर लोगो की मेहनत की कमाई बर्बाद की है। इस बैंक फ्रॉड में अनेक लोग शामिल होने की संभावना है। इतनी बड़ी साजिश तीन आदमी मिलकर नही कर सकता है। यह कड़ी जुड़ी हुई है। देश मे भ्रष्टाचार की जड़े मजबूत हो गई है।

-कांतिलाल मांडोत

## देश दुनीया से

# परजीवी लोगों की एक नई किस्म वायरस की तरह फैल रही है!

**समाज** के 2 वर्ग हमेशा से महलनुमा मकानों से घर से निकले बिना मोटी कमाई करते रहे हैं। राजा और उस के दरबारी व पंडित व धर्म के सौदागर हमेशा ही बिना जमीनी मेहनत के सुख की ड्क्षजदगी जीते रहे हैं। राजा कहता रहा कि उस ने या उस के पुरखों ने कभी लड़ाई में भाग लिया था इस के लिए उसे आराम से धूप, आंधी, बर्फ में मेहनत के काम से छूट मिली हुई है और यही पंडितपादरी कहता रहा है कि उसे भगवान ने नियुक्त किया है वह समाज को भगवान तक भलीभांति ले जाए इसलिए घर में बैठ कर खाने का हकदार है। अब इस में एक नया वर्ग घुस गया है। टैक सैवी मैनेजरों का जो वर्कफ्रौम होम के सहारे टैक्नोलोजी का लाभ उठा कर घर बैठ कर ठाठ से कमा सकते है और कीड़ेमकोड़ों की तरह जमीन पर, खेतों में, कारखानों में, फौज में, पुलिस में, सेवाओं में काम करने को मजबूर हैं। आज पूरी चर्चा वर्क फ्रौम होम को ही रही है, इस के गुणगान गाए जा रहे हैं। यह उन खास लोगों के लिए किया जा रहा है जिन्हे टैक्नोलौजी के बावजूद फिजिकल मीड्क्षटगों में पहुंचने के लिए घंटों ट्रैफिक में फंसना होता था, मैट्रो या बसों में दफ्तरों में पहुंचना होता था। दिन के 24 घंटों में से 6-7 घंटे आनेजाने या दफ्तरों में इधर से उधर चलने में मजबूर होना पड़ता था। अब इस वर्ग के लिए कोविड 19 एक खास उपहार छोड़ गया है कि हर रोज दफ्तर आने की जरूरत क्या है, घर पर रहो, क्लब में रहो, रेस्ट्राओं में रहो, घूमोफिरो और फिर भी दफ्तर का काम करते रहो और कमाई करते रहो। यह ठीक है कि इन लोगों की उत्पादकता घटी नहीं है, उलटे हो सकता है बढ़ गई हो, पर जो भेद व्हाइट कौलर वर्कर और ब्लूकौलर वर्कर में पहले था अब और बढ़ गया है, उन की दूरिया बढ़ गई हैं। कोविड 19 ने तो कोई वर्ग नहीं रखा था पर आखिर ऐसा क्या हुआ कि दुनिया की सारी सरकारों ने लौकडाउन कर दिए पर कारखाने चलते रहने दिए, बिजली आती रही। खानेपीने पहनने का सामान बनता रहा, मनोरंजन का क्षेत्र सिनेमा से हट कर घर की स्क्रीन पर आ गया पर चालू रहा। यह सब इस इंक्रास्ट्क्चर के कारण हुआ जिसे चलाने के लिए कोविड 19 के संपर्क में आ सकने वाले वर्करों को घरों से निकलना पड़ा। अस्पताल चले, एंबूलेंस चलीं, एंबूलेंस बनी, दवा कंपनियों ने रातदिन काम वर्करों की सहायता से किया, फौज ने काम किया, पुलिस वाले कदमकदम पर बाहर निकले। फिर वर्क फ्रौम होम का गुणगान करने वालों में कौन से ऐसी छूत लगी थी कि वे दफ्तरों में जाते तो कोविड 19 भयंकर हो जाता। यह एक साजिश सा लगने लगा है कि राजाओं और धर्म बेचने वालों की तरह आज के नए हथियार, कंप्यूटर टैक्नोलौजी वालों ने अपने लिए खास जगह बना ली कि वे आलीशान मकानों में बने रहेंगे, आम लोग सडक़ों की धूल खाते रहेंगे। परजीवी लोगों की एक नई किस्म वायरस की तरह फैल गई है जो वर्क फ्रौम होम का लाभ उठा रही है और ढाई वर्क औन रोट्स एंड फैक्ट्रीज को और ज्यादा चूस पा रही है। इतनी गुलामी कामगारों ने इतिहास में पहले कभी नहीं देखी होगी क्योंकि पहले मुखियाओं को मकान जरूर मिलता था पर प्रकृति की मार बारबार सहनी पड़ती थी। अब उन की ईजाद पर उसे इस्तेमाल कर सकने वाली लायक बनाने वाली गुलामों की गिनती भी बढ़ गई और उन पर काम का बोझ भी।

> यह उन खास लोगों के लिए किया जा रहा है जिन्हे टैक्नोलौजी के बावजूद फिजिकल मीड्क्षटगों में पहुंचने के लिए घंटों ट्रैफिक में फंसना होता था, मैट्रो या बसों में दफ्तरों में पहुंचना होता था।

आर एन आई (टी सी) नं- JHAHIN01027,स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक डॉ सिकन्दर कुमार द्वारा माँ भवानी आर्ट भागलपुर रोड नीयर सिनेमा हॉल दुधानी दुमका से मुद्रित एवं झारखण्ड देखो कार्यालय मजिस्ट्रेट कॉलोनी बंदरजोरी, दुमका से प्रकाशित,
प्रधान संपादक डॉ सिकन्दर कुमार, मोबाइल नं-9955599136( इस अंक में प्रकाशित समाचारों का चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी)

# मन को शांत करता है भ्रामरी प्राणायाम

**मन** को शांत कर तनाव और अवसाद दूर करने में बहुत फायदेमंद आसन है भ्रामरी प्राणायाम। भ्रामरी प्राणायाम करते समय भ्रमर अर्थात भंवरे जैसी गुंजन होती है, इसी कारण इसे भ्रामरी प्राणायाम कहते हैं। भ्रामरी प्राणायाम से जहां मन शांत होता है वहीं इसके नियमित अभ्यास से और भी बहुत से लाभ प्राप्त किए जा सकते हैं।

## कैसे करें यह आसन

भ्रामरी प्राणायाम करने के लिए सुखासन, सिद्धासन या पद्मासन में बैठकर सबसे पहले दोनों हाथों की अंगुलियों में से अनामिका अंगुली से नाक के दोनों छिद्रों को हल्का सा दबाकर रखें। फिर तर्जनी को पाल पर, मध्यमा को आंखों पर, सबसे छोटी अंगुली को होठ पर और अंगुठे से दोनों कानों के छिद्रों का बंद कर दीजिए। फिर सांस को धीमी गति से गहरा खींचकर अंदर कुछ देर रोककर रखें और फिर उसे धीरे-धीरे आवाज करते हुए नाक के दोनों छिद्रों से निकालें। सांस छोड़ते वक्त अनामिका अंगुली से नाक के छिद्रों को हल्का सा दबाएं जिससे कंपन उत्पन्न होगा। जोर से पूरक करते समय भंवरी जैसी आवाज और फिर रेचक करते समय भी भंवरी जैसी आवाज उत्पन्न होनी चाहिए। पूरक का अर्थ सांस अंदर लेना और रेचक का अर्थ सांस बाहर छोड़ना।

## इस आसन के फायदे

भ्रामरी प्राणायाम करने से मन शांत होता है और तनाव दूर होता है। इस ध्वनि के कारण मन इस ध्वनि के साथ बंध सा जाता है, जिससे मन की चंचलता समाप्त होकर एकाग्रता बढ़ने लगती है। यह मस्तिष्क के अन्य रोगों में भी लाभदायक है।

इसके अलावा यदि किसी योग शिक्षक से इसकी प्रक्रिया ठीक से सीखकर करते हैं तो इससे हृदय और फेफड़े मजबूत बनते हैं। उच्च-रक्तचाप सामान्य होता है। हकलाहट तथा तुतलाहट भी इसके नियमित अभ्यास से दूर होती है। इससे पर्किन्सन, लकवा, इत्यादि स्नायुओं से संबंधी सभी रोगों में भी लाभ पाया जा सकता है।

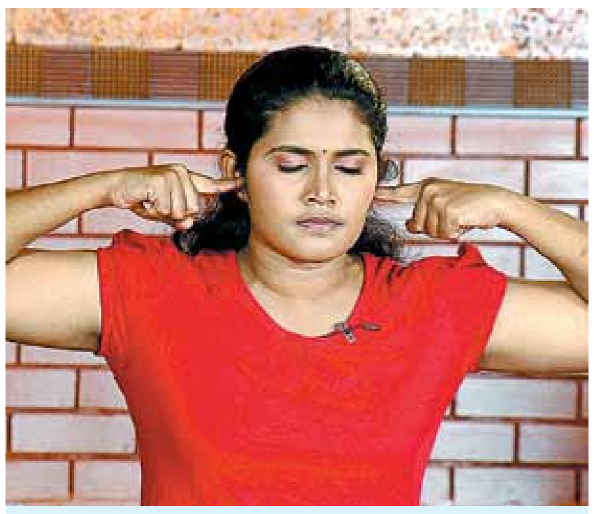

### बरतें थोड़ी सावधानी

भ्रामरी प्राणायाम को लेटकर नहीं किया जाता है। नाक या कानों में किसी प्रकार का संक्रमण होने कि स्थिति में यह अभ्यास ना करें। नहीं तो संक्रमण बढ़ सकता है। भ्रामरी प्राणायाम को शांत माहौल में ही करें, ताकि आप निकलने वाली आवाज हो आसानी से महसूस कर सकें।

### फेसबुक फ्रेंड वजन घटाने में मददगार

ये युग टेक प्रेमियों का है और इसमें सोशल नेटवर्किंग साइट्स का महत्वपूर्ण स्थान है। फेसबुक इन साइट्स में सबसे अव्वल है। इन सोशल साइट्स का हमारे जीवन में खासा दखल है और ये हमें कई प्रकार से प्रभावित भी करती हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि फेसबुक फ्रेंड से भावनात्मक जुड़ाव आपका अतिरिक्त वजन कम करने में काफी मददगार साबित हो सकता है।

### सर्दी जुकाम में लाभप्रद है तुलसी

सर्दी जुकाम होने पर तुलसी की पत्तियों को चाय में उबालकर पीने से राहत मिलती है। तुलसी का अर्क तेज बुखार को कम करने में भी कारगर साबित होता है। करीब सभी कफ सीरप को बनाने में तुलसी का इस्तेमाल किया जाता है। तुलसी की पत्तियां कफ साफ करने में मदद करती हैं। तुलसी के कोमल पत्तों को चबाने से खांसी और नजले से राहत मिलती है।

# काम के साथ आंखों का रखें ख्याल

**वर्तमान** दिनचर्या में कंप्यूटर के बिना काम करना शायद असंभव है, लोग घंटों कंप्यूटर के सामने बैठकर काम करते हैं। घंटों कंप्यूटर के सामने बैठने के कारण इससे निकलने वाली नीली रोशनी से सबसे अधिक नुकसान आंखों को होता है। इसके कारण आंखों की रोशनी कम होती है। इसके अलावा लगातार कम्प्यूटर पर काम करने से आंखों में थकान, धुंधला दिखाई देना, सिर में दर्द और आंखों के आसपास काले घेरे की समस्या आम बात है। ड्राई आई सिंड्रोम भी घंटों कंप्यूटर के प्रयोग के कारण होती है। इसलिए काम के साथ-साथ आंखों का भी ध्यान रखना बहुत जरूरी है।

## अंधेरे में काम न करें

कंप्यूटर पर काम कर रहे हैं तो ध्यान रखें कि जिस कमरे में आप हों वहां पर अंधेरा या कम रोशनी न हो। आपके कमरे की रोशनी कंप्यूटर स्क्रीन से निकलने वाली रोशनी से कम न हो। अगर कमरे में अंधेरा होगा या कमरे की रोशनी कम होगी तो कंप्यूटर से निकलने वाली किरणें आंखों को अधिक प्रभावित करेंगी। कंप्यूटर से आंखों की दूरी काम करते वक्त अपनी कुर्सी की ऊंचाई को कम्प्यूटर के हिसाब से ही रखें। कंप्यूटर को अपनी आंखों से 30 सेमी की दूरी पर रखें।

## पलकों को झपकाते रहें

काम के दौरान पलकों को झपकाते रहें, इससे आंखों की नमी बरकरार रहेगी और आंखों सूखेंगी नहीं। लंबे समय तक पलक नहीं झपकाने से आंखों से पानी बहने लगता है।

## काम के बीच ब्रेक लें

अगर आप लगातार कंप्यूटर पर काम कर रहे हैं तो बीच-बीच में ब्रेक लेते रहें। कोशिश करें कि 30-40 मिनट के बाद अपनी नजर को दूर किसी वस्तु पर ले जाएं, अपने से लगभग 20 फिट की दूरी पर दूसरी वस्तु को देखें। एक घंटे तक काम करने के बाद 10 मिनट के लिए कंप्यूटर की स्क्रीन बंद कर दें।

## हेल्दी स्नैक लेते रहें

आंखों को स्वस्थ रखने के लिए स्वस्थ आहार का सेवन बहुत जरूरी है। खाने में विटामिन ए, ई और सी को जरूर शामिल करें। ये आंखों के लिए आवश्यक हैं। दूध और दूध से बने पदार्थ, हरी पत्तेदार सब्जियां, अंडा, पपीता, गाजर विटामिन ए के अच्छे स्रोत हैं, इनको अपने आहार में शामिल करें। काम के बीच में भी स्वस्थ और विटामिन युक्त हेल्दी स्नैक लेते रहें।

## आंखों के व्यायाम

काम के बीच में आंखों में थकान हो जाती है, इससे बचाने के लिए काम के दौरान ही आंखों के व्यायाम कीजिए। अपनी हथेली और उंगली से आंखों को बंद करके उनपर मालिश करें। बीच-बीच में आंखों की पुतलियों को चारों ओर घुमाएं। इससे आंखों को आराम मिलता है। बीच-बीच में पानी के छींटे भी मार सकते हैं। आंखों को स्वस्थ रखने के लिए भरपूर नींद जरूरी है, कम से कम आठ घंटे की नींद लें, आंखों में अच्छी गुणवत्ता वाले उत्पादों का ही प्रयोग करें। अपनी आंखों की नियमित रूप से जांच कराएं।

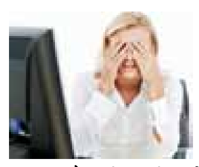

# भोजन के समय पानी पीने के नुकसान

**यूं तो** पानी पीना एक अच्छी आदत है। किसी भी रोग को दूर भगाने के लिए पानी एक रामबाण इलाज है। लेकिन क्या आपको पता है खाना खाते समय पानी पीना कितना हानिकारक है आपके स्वास्थ के लिए? इसका सीधा असर आपकी पाचन शक्ति पर होता है। कभी भी खाना खाने के आधे घंटे या 1 घंटे तक पानी नहीं पीना चाहिए।

## क्यों न पीएं भोजन के दौरान पानी

भोजन के समय पानी पीने से यह पेट की सतह द्वारा सोख लिया जाता है। यह प्रक्रिया तब तक चलती रहती है जब तक कि पेट में पाचन के लिए जरूरी द्रव्य इतने अधिक गाढ़े न हो जाएं कि वे भोजन को पचा सकें। लेकिन खूब सारे पानी पीने के कारण यह द्रव्य पेट में मौजूद भोजन से भी अधिक गाढ़ा हो चुका होता है, ऐसे में भोजन पचाने के लिए पेट में गैस्ट्रिक जूस बनना शुरू हो जाता है। परिणाम स्वरूप भोजन नहीं पचता और सीने में जलन होती है।

## महत्वपूर्ण बातें

- यदि भोजन सादा हो तो भोजन के समय पानी न पीना लाभकारी होता है। लेकिन जब भोजन अधिक तीखा, मिर्च-मसालेदार, नमकीन, खट्टा हो तो पानी पीना आवश्यक है, ऐसे में पानी पीने से आपके शरीर को कोई नुकसान नहीं होगा।
- इसके विपरीत यदि भोजन प्राकृतिक हो और भोजन को अच्छी तरह से चबा-चबाकर खाते हैं तो भोजन के बीच पानी पीने की कोई आवश्यकता नहीं होती
- तीखा या चटपटा भोजन करते समय ध्यान रखें कि प्यास लगने पर एक या दो घूंट पानी ही पीएं। ज्यादा पानी से पाचन सही से नहीं हो पाता है।
- भोजन करते समय अगर आपको खांसी आती हो और भोजन के बीचमें पानी पीने की जगह दूध, मट्ठा व दही का सेवन करें। इससे आपका भोजन सही से पच सकेगा।
- सर्दियों के मौसम में ठंडा पानी पीने से बचें क्योंकि इस मौसम में आपकी पाचन शक्ति काफी कमजोर होती है।
- भोजन के बीच में पानी पीने से शरीर में इंसुलिन का स्तर बढ़ जाता है।
- भोजन के बाद एक कप गर्म पानी पीने से आपकी पाचन शक्ति ठीक रहती है और खाने को पचने में मदद मिलती है।
- अगर आप खाने के साथ अन्य कोई पेय पदार्थ जैस कोल्ड ड्रिंक य दूध लेते है तो यह आपके पाचन शक्ति के लिए ठीक नहीं हैं। क्योंकि खाना खाने के साथ यह पेय पदार्थ भी कुछ हद तक वैसा ही काम करते हैं जैसा कि पानी।

कुल मिलाकर पानी पीना सेहत के लिए बहुत अच्छा होता है, लेकिन दिन में पानी तो आप खूब पिएं लेकिन भोजन के साथ ज्यादा पानी न पिएं। आप सुबह उठकर खूप पानी पी सकते हैं, या दिन में थोड़ा-थोड़ा कर 3 से 4 लीटर पानी पी सकते हैं।

# डिलीवरी के बाद महिलाओं में होते हैं ये बदलाव

**जैसे कि** गर्भावस्था के दौरान महिलाओं में शारीरिक और मानसिक परिवर्तन होते हैं ठीक उसी प्रकार प्रसव के बाद भी महिला के शरीर में कई बड़े बदलाव आते हैं, विशेषकर पहले हफ्ते में। प्रसव के बाद महिलाओं के शरीर में बदलाव होना स्वाभाविक है। कुछ महिलाएं गर्भधारण के शुरूआत से ही अपना पूरा ख्याल रखती हैं, ऐसी महिलाओं के शरीर में प्रसव के बाद काफी कम बदलाव होते हैं। कई बार ऐसा लगता है कि यह महिला गर्भवती हुई ही नहीं थी। जबकि कई महिलाओं के शरीर में काफी ज्यादा बदलाव देखने को मिलते हैं। फिर भी आमतौर पर प्रसव के बाद महिलाओं के शरीर में छोटे-छोटे बदलाव तो जरूर होते हैं।

## त्वचा में बदलाव

बच्चे के जन्म के बाद जिन महिलाओं की त्वचा रूखी होती है, उनकी त्वचा पहले से और भी अधिक रूखी हो जाती है। गर्भावस्था में स्तन, पेट और जांघों की त्वचा खिंच जाती है। इस खिंचाव के कारण महिलाओं के शरीर की त्वचा पर हल्के रंग के दाग दिखाई पड़ने लगते हैं।

## वजन बढ़ना

गर्भावस्था की अवधि के दौरान लगभग सभी महिलाओं का वजन बढ़ जाता है। प्रसव के बाद भी महिलाओं का वजन अधिक ही बना रहता है। अधिक चिकनाईयुक्त भोजन करने, मेवे आदि के सेवन के कारण महिलाओं का भार बढ़ता चला जाता है। जिन महिलाओं का वजन अधिक होता है। उनके शरीर पर पके हुए लाल रंग के घाव दिखाई पड़ने लगते हैं। शरीर के वजन को कम करने के लिए किसी विशेषज्ञ की देखरेख में व्यायाम करना चाहिए।

## बालों का झड़ना

बच्चे के जन्म के बाद महिलाओं के सर के बालों का टूटना, पतला होना, बालों का सफेद होना, बालों का न बढ़ना जैसी परेशानियां आम बात है। आमतौर पर यह खुद ही ठीक हो जाते हैं। इस समस्या से बचने के लिए पौष्टिक आहार लें और बालों की उचित देखभाल करें।

## दांतों में परेशानी

प्रसव के बाद महिलाओं के दांतों की चमक कम हो जाती है। दांतों में दरारे, दांतों में छेद, मसूड़ों का सूजना एवं मवाद का आना आदि समस्याएं भी उत्पन्न हो जाती है।

## पैरों में बदलाव

महिलाओं में प्रसव के बाद शरीर के लिंगामेंट मांसपेशियों तथा दो हड्डियों के बीच बांधने वाली नलिकाएं ढीली हो जाती है, जिससे पैरों के आकार में परिवर्तन हो जाता है। प्रसव के बाद हड्डियों का आकार बदल जाता है। इस कारण महिलाओं के चाल में भी परिवर्तन आ जाता है। इसकी वजह से कमर तथा कूल्हों में दर्द है।

## मानसिक बदलाव

कई बार प्रसव के बाद महिलाओं को रोने का मन करता है। या कई अलग-अलग तरह के विचार दिमाग में आते हैं। यह शरीर में हुए हार्मोनल बदलाव के कारण हो सकता है।

# चुस्त रहने के लिए जरूरी है शरीर में पर्याप्त हो आयरन

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए अन्य विटमिन की ही तरह आयरन से भरपूर आहार लेना भी बहुत जरूरी होता है। आयरन की जरूरत हीमोग्लोबिन बनाने के लिए होती है। यह लाल रक्त कोशिकाओं में पाया जाता है जो अंगों व ऊत्तकों में ऑक्सीजन वहन करने का काम करता है। पर जब भी आयरन की बात आती है तो बेस्ट सोर्स के तौर पर पालक का नाम ही दिमाग में आ जाता है। लेकिन जानना होगा कि सिर्फ पालक ही आयरन का बेस्ट सोसज़ नहीं है। तो आइए आज हम आपको बताते हैं कि कैसे पोषक तत्वों और सप्लीमेंट्स के जरिए हम खून में आयरन की मात्रा बढ़ा सकते हैं।

## गुड़ खाकर दूर करें आयरन की कमी

अगर आयरन की पयाज़्त मात्रा न हो, तो इसका असर हमारे शरीर के कई अंगों पर पड़ता है। गुड़ एक ऐसा आहार है जिसमें आयरन बहुत अधिक पाया जाता है। गुड़ गन्ने से तैयार एक शुद्ध, अपरिष्कृत चीनी है। यह खनिज और विटमिन है जो मूल रूप से गन्ने के रस में ही मौजूद हैं। गुड़ को चीनी का शुद्धतम रूप माना जाता है। गुड़ आयरन का एक प्रमुख स्त्रोत है और अनीमिया के शिकार व्यक्ति को चीनी के स्थान पर इसके सेवन की सलाह दी जाती है।

## आयरन अवशोषण ऐसे बढ़ाएं

शाकाहारी खाद्य पदार्थों में मौजूद आयरन आपके शरीर के ज्यादा से ज्यादा काम कैसे आए यह जानना भी जरूरी है। इसमें विटमिन सी आपकी मदद कर सकता है। ताजा सब्जियां और खट्टे फल विटमिन सी के सबसे अच्छे ीत हैं। इसके साथ ही आप चाहें तो मसूर के सूप में लाल शिमला मिर्च व अन्य सब्जियां डालकर पिएं।

## इतने आयरन की जरूरत

सामान्य महिला को एक दिन में 18 मिलीग्राम आयरन की आवश्यकता होती है, गर्भावस्था के दौरान महिला को 27 मिलीग्राम आयरन लेना चाहिए। वहीं, पुरुषों को रोजाना 8 मिलीग्राम आयरन की जरूरत होती है। 14 से 18 साल की आयु की लड़कियों को 15 मिलीग्राम आयरन की रोजाना आवश्यकता होती है।

यह सोचना गलत है कि पालक में ही सबसे ज्यादा आयरन होता है। रेड मीट में ज्यादा मात्रा में आयरन होता है जो फायदेमंद है। पर इसे ज्यादा मात्रा में नहीं खाना चाहिए।

- **डॉ सरनजीत सिंह,** स्पोर्ट्स मेडिसिन स्पेशियलिस्ट

### आयरन की कमी के लक्षण

■ जीभ में दर्द ■ बालों का झड़ना ■ सिर में दर्द ■ चक्कर आना ■ थकान लगना ■ भूख न लगना ■ नाखूनों में सफेदी आ जाना ■ कमजोरी

### इन फूड्स से मिलेगा आयरन

- **वेज:** फलियां, नट्स, बादाम, पालक और हरी पत्तेदार सब्जियां।
- **नॉनवेज:** रेड मीट और मछली
- **फल:** खजूर, तरबूज, सेब, अंगूर, अनार

# ऑल टाइम फेवरेट शॉर्ट मिडी और वन पीस ड्रेसेज

**इस** बार सर्दी कम है, इसलिए पार्टी में ड्रेस का स्टाइल भी कुछ डिफरेंट होगा। यंगस्टर्स सेलिब्रेशन में लेटेस्ट फैशन कैरी कर रहे हैं। इसे देखते हुए मैटेलिक टच में वन पीस ड्रेस और गाऊन का ट्रेंड देखा जा रहा है। साथ ही लांग टॉप्स, शॉर्ट मिडी और लाइक्रा ड्रेस को भी गर्ल्स पसंद कर रही हैं। पार्टी में शॉर्ट ड्रेस के साथ ही स्पेशल दिखने के लिए सिल्वर और गोल्डन कलर में ड्रेसेस डिजाइन यूथ ने सबसे ज्यादा कराई हैं।

## लांग टॉप

यह एक तरह का टॉप है, जो थोड़ा डीप लेंथ का है। इसको लेगिंग्स, जेगिंग्स और जींस के साथ मैच किया जा सकता है। स्पेशल ओकेजंस को देखते हुए ये ड्रेस परफेक्ट है, क्योंकि इसे मलमल कॉटन से बनाया गया है, जो रात में लाइट से रिफ्लेक्ट होकर काफी चमकता है।

## मक्खी नेट शॉट्र्स

मक्खी नेट शॉट्स का फैशन भी इन दिनों काफी पॉपुलर हो रहा है। फ्लॉवर इसकी खूबसूरती में चार चांद लगाता है। ये ड्रेस दिखने में जितनी ट्रेंडी है पहनने में उतनी ही आरामदायक भी है। ये ड्रेस कूल और डिसेंट दोनों ही लुक देती हैं। सेलिब्रिटी से हिट हुआ शॉर्ट मिडी का फैशन अब सिटी में भी एंट्री मार चुका है। यह एक तरह का लांग टॉप होता है जिसे जींस, लेगिंग्स या जेगिंग्स के साथ तो पहना ही जा सकता है साथ ही इसको वन पीस की तरह से भी यूज किया जा सकता है। ये ड्रेस पहनने में काफी कम्फर्टेबल होती हैं।

## वेल्वेट ड्रेसेस

न्यू ईयर पार्टी के लिए लाइक्रा और वेल्वेट ड्रेसेस डिजाइन किए जा रहे हैं। वन पीस ड्रेस खासतौर पर फ्रिल पैटर्न में डिजाइन की जा रही हैं। वहीं, ईवनिंग गाउन से लेकर, वन पीस ड्रेसेस, स्कर्ट्स ज्यादातर ड्रेसेस फ्रिल पैटर्न में अवेलेबल हैं।

# रेसिपी

## करेले का चटपटा अचार

### सामग्री

1 किलो करेला
2 चम्मच नमक
1 चम्मच हल्दी
1 चम्मच सोंठ
1/4 कप मिर्च पावडर
1/4 कप भुनी और कुटी अजवायन
2 चम्मच सौंफ, भुना और पावडर किया हुआ
2 कप नींबू का रस एक कांच का जार

### विधि

करेले के ऊपर का कठोर हिस्सा चाकू से घिस लें, फिर उसे लंबा लंबा काट लें। करेले को नमक में मिलाएं और 3-4 घंटे के लिए रख दें। फिर करेले को हाथों से दबा कर निचोड़ लें और उसक बीज को निकाल कर साफ पानी से धो लें। उसके बाद फिर से करेले को निचोड़ें। अब मसाले में नींबू का जूस मिक्स करें, जिससे उसमें नमी आ जाए। फिर इस मसाले को करेले के अंदर भर कर उसे धागे से कटस कर लपेट दें, जिससे वह बंध जाए। अब इन करेलों को जार में भर दें और ऊपर से नींबू का रस मिला कर कवर कर दें। इसे 3-4 दिन धूप दिखा कर तीन चार हफ्तों बाद खाएं। एक बार जब करेले का अचार तैयार हो जाए तब इसे छोटे छोटे पीस में काट कर सर्व किया जा सकता है।

## रागी डार्क चॉकलेट

### सामग्री

100 ग्राम कंपाउंड डार्क चॉकलेट
2 अंडे 1/2 कप कैस्टर शुगर या ब्राउन शुगर
1/2 कप पिघला बटर
1/2 कप रागी आटा
1/2 चम्मच बेकिंग पावडर
2 टी स्पून विस्की

### विधि

ओवन को पहले 100 डिग्री सेल्सियस पर गरम कर लें। फिर कंपाउंड चॉकलेट को छोटे टुकड़ों में तोड़कर डबल बॉइलर में पिघला लें। फिर इसे किनारे रखें और ठंडा होने के लिए किनारे रख दें। एक बाउल में अंडे अच्छे से फेटें और उसमें शक्कर धीरे धीरे मिलाएं। अब पिघला चॉकलेट और पिघला बटर एक साथ मिक्स करें। फिर इस मिश्रण को अंडे और शक्कर वाले मिश्रण में मिक्स करें। अब रागी और बेकिंग पावडर को छान लें। फिर इसे पहले बताए गए मिश्रण में धीरे धीरे मिक्स करें। ध्यान रखें कि गांठे ना पड़ें। साथ ही ओवर मिक्स भी ना करें। अब आखिर में विस्की मिलाएं और आखिरी बार चलाएं। इस मिश्रण को बेकिंग टिन जो कि 6 इंच की चौड़ाई में हो, उसमें पलटें। इसे ओवन में 15 मिनट तक पकाएं और जब यह हो जाए तब उसमें फोर्क घुसा कर चेक कर लें। फिर इसे ओवन से निकाल कर ठंडा होने के लिये रखें। फिर इसे सर्व करें।

# भारत के फेमस टॉप 8 हिल स्टेशन

## छुट्टियां मनाने के लिए बेस्ट मानी जाती हैं ये खूबसूरत जगह

भारत प्राकृतिक अजूबों से घिरा हुआ है। यहां की मनोरम पहाड़ियां, घाटियां, जंगल, वन्य जीवन और पहाड़ इस देश की खूबसूरती में चार-चांद लगा देते हैं। भारत में कई मात्रा में हिल स्टेशन हैं, जहां आप शहरों के शोर शराबे से दूर कुछ समय के लिए शांति और सुखद वातावरण प्राप्त करने के लिए जा सकते हैं। भारत के हिल स्टेशन दोस्तों, फैमली के साथ जाने के अलावा पार्टनर के साथ घूमने के लिहाज से भी बेहद रोमांटिक जगह मानी जाती हैं।

### श्रीनगर हिल्स स्टेशन, जम्मू कश्मीर

» शानदार प्राकृतिक सुंदरता, ऐतिहासिक पार्क और बर्फ से ढकी चोटियों के साथ श्रीनगर उत्तर भारत के सबसे बेहतरीन हिल स्टेशनों में से एक है। झेलम नदी के पास स्थित श्रीनगर जम्मू कश्मीर का बेहद ही खूबसूरत टूरिस्ट प्लेस है, जिसे पृथ्वी पर स्वर्ग के रूप में जाना जाता है। अगर आप ढेर सारी बर्फ देखना चाहते हैं या एडवेंचर का मजा लेना चाहते हैं, तो एक श्रीनगर घूमने जरूर जाएं। इसके अलावा आप गर्मियों के दौरान शिकारा सवारी और घुड़सवारी जैसी कई गतिविधियों का लुत्फ भी उठा भी सकते हैं।

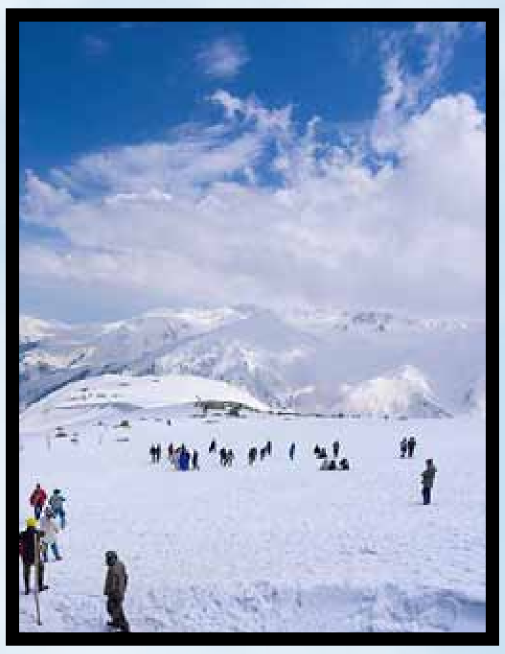

### गुलमर्ग हिल स्टेशन, जम्मू कश्मीर

» समुद्र तल से 2730 मीटर की ऊंचाई पर स्थित, गुलमर्ग बर्फ से ढके पहाड़ों, हरे भरे घास के मैदानों, गहरी घाटियों और सदाबहार जंगलों से घिरा हुआ है। भारत के सबसे खूबसूरत राज्य जम्मू कश्मीर के बारामुला जिले में स्थित है। गुलमर्ग कपल्स के घूमने के लिए हनीमून मनाने के लिए सबसे शीर्ष स्थानों में आता है।

### दार्जिलिंग हिल स्टेशन, पश्चिम बंगाल

» मंत्रमुग्ध कर देने वाली पहाड़ियां, खूबसूरत सनसेट पॉइंट, हरे–भरे चाय के बागान दार्जिलिंग को भारत के पूर्वी हिस्से में सबसे खूबसूरत हिल स्टेशनों में से एक बनाते हैं। समुद्र तल से 2134 मीटर की ऊंचाई पर स्थित, दार्जिलिंग कई बौद्ध मठों और हिमालय की आकर्षित चोटियों से घिरा हुआ है। यहां की ठंडी जलवायु लोगों को तरोताजा कर देती है। यह खूबसूरत हिल स्टेशन रोमांटिक हनीमून के लिए एकदम बेस्ट है और कोलकाता से लगभग 700 किलोमीटर दूर है। दार्जिलिंग न सिर्फ अपने चाय के बागानों की वजह से प्रसिद्ध है, बल्कि यहां के पर्यटक स्थल भी लोगों को बेहद आकर्षित करते हैं।

### मसूरी हिल स्टेशन, उत्तराखंड

» अगर आप छुट्टियां बिताने के लिए ऐसी जगह देख रहे हैं, जहां शांति मिल सके और कई प्राकृतिक नजारा देखने को मिल सके, तो मसूरी आपके लिए एकदम परफेक्ट जगह है। गढ़वाल हिमालय पर्वतमाला की तलहटी के बीच बसा, मसूरी, जिसे पहाड़ों की रानी के रूप में भी जाना जाता है, समुद्र तल से 7000 फीट की ऊंचाई पर स्थित है, और यहां पूरे वर्ष एक शांत, सुखद जलवायु रहती है। मसूरी की प्राचीन, प्राकृतिक सुंदरता हनीमून कपल्स के लिए एक परफेक्ट डेस्टिनेशन बनाती है। यहां आप ट्रैकिंग और पैराग्लाइडिंग एक्टिविटी का भी मजा ले सकते हैं।

### माथेरान हिल स्टेशन, महाराष्ट्र

» पश्चिमी घाट पर सहाद्री रेंज के बीच स्थित, माथेरान एक बेहद ही खूसबूरत और छोटा हिल स्टेशन है जो समुद्र तल से 2600 फीट की ऊंचाई पर स्थित है, और मुंबई से सिर्फ 100 किलोमीटर दूर है। यहां आप अपना वीकेंड मनाने के लिए भी अपनी दोस्तों, फैमली या पार्टनर के साथ सकते हैं। माथेरान पूरे भारत में सबसे छोटा हिल स्टेशन है, लेकिन फिर भी इसे भारत के सबसे खूबसूरत हिल स्टेशनों में गिना जाता है।

### औली हिल स्टेशन, उत्तराखंड

» समुद्र तल से 2800 मीटर की ऊंचाई पर मौजूद औली उत्तराखंड के सबसे पसंदीदा हिल स्टेशनों में से एक है। सेब के बाग, पुराने ओक और देवदार के पेड़ों के साथ औली एक लोकप्रिय पहाड़ी शहर है, जहां हिमालय पर स्की रिजॉर्ट भी मौजूद हैं। पर्यटक यहां स्की करने के लिए ही सबसे ज्यादा घूमने आते हैं। स्कीइंग करने के अलावा आप गढ़वाल हिमालय की पहाड़ियों में ट्रैकिंग के लिए भी जा सकते हैं, ट्रैकिंग या हाईकिंग करते समय आपको मत्रमुग्ध कर देने वाली कई चीजें भी देखने को मिल जाएंगी।

### बीर-बिलिंग हिल स्टेशन

» भारतीय हिमालय की तलहटी में चाय के बागानों और जंगलों के बीच मौजूद बीर बिलिंग पैराग्लाइडिंग के साथ–साथ कई एडवेंचर एक्टिविटीज के लिए लोकप्रिय है। ये जगह धीरे–धीरे पर्यटकों के बीच बेहद पसंदीदा हिल स्टेशन बनता जा रहा है। यहां हर साल कई हजारों पर्यटक घूमने के लिए जरूर आते हैं। दोस्तों या फैमली के साथ घूमने के अलावा ये जगह कपल्स के लिए भी एकदम परफेक्ट है, यहां आप दोनों कई तरह की रोमांचकारी एक्टिविटीज को एन्जॉय कर सकते हैं।